दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-175, भोपाल, मंगलवार 10 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"आशा के साथ तैयार की गई सड़क पर यात्रा करना उस सड़क पर यात्रा करने से कहीं अधिक आनन्ददायक होता है जिसे निराशा के साथ तैयार किया जाता है चाहे उन दोनो की मंजिल एक ही क्यों न हो।"
- मैरियन जिम्मर ब्रैडले

कांग्रेस नेताओं पर आक्रामक हुए गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना दिग्विजय सिंह की पुरानी आदत है

भोपाल। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सोमवार को कांग्रेस और एमपी प्रदेश के दिग्गज नेताओं पर जमकर निशना साधा. कांग्रेस पार्टी संपूर्ण मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग के सम्मेलन आयोजित कराने जा रही है, इस पर गृह मंत्री ने कहा कि कोई भी ऐसी जगह है जहां भ्रम फैल सकता है तो कांग्रेस तत्काल एक्टिव होती है. क्योंकि उनकी पूरी राजनीति भ्रम, वहम और झूठ पर आधारित है. जब चुनाव आता है तो घोषणा पत्र में झूठ बोलते हैं. बिजली संकट पर कांग्रेस के विशेष सत्र की मांग पर गृह मंत्री ने कहा कि ये मांग वह कर रहे हैं, जिनके कार्यकाल में बिजली कभी-कभी आती थी. दिग्विजय सिंह को इसीलिए मिस्टर बंटाधार कहा जाता है. दिग्विजय सिंह ने न्यायपालिका को लेकर एक ट्वीट किया है, इस पर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि वह पहले भी न्यायपालिका पर सवाल उठा चुके हैं. कभी न्यायपालिका पर सवाल उठाना, कभी सेना पर सवाल उठाना, कभी ईवीएम पर सवाल उठाना, कभी वैक्सीन पर सवाल उठाना उनकी विशेषता थी और आज भी है. दिग्विजय सिंह ने कहा कि सिंधिया हमारे लिए चुनौती नहीं है, इस पर गृह मंत्री ने कहा कि इसीलिए तो सिंधिया ने बता दिया था उन्हें. अधिकारियों के जांच के संबंध में नेता प्रतिपक्ष के बयान पर गृह मंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि समझने में कोई त्रुटि हो रही है. नेता प्रतिपक्ष अगर ठीक प्रकार से अध्ययन कर लेंगे तो ठीक होगा.

कोर कमेटी की बैठक में शामिल हुए श्री मिश्रा

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कोर कमेटी की बैठक में शामिल होने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित मुरलीधर राव, कैलाश विजयवर्गीय, वीडी शर्मा और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा पहुंचे, पिछले कुछ दिनों से भाजपा प्रदेश मुख्यालय में चल रही बैठकों में सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों के भाजपा कोर ग्रुप्स को बुलाया गया था, जिले के मुख्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के साथ जिलों के राजनीतिक हालातों पर मंथन किया गया, मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 की जीत को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने मैदानी तैयारिया शुरू कर दी है, माना जा रहा है कि बीजेपी की लगातार चल रही बैठकों में वर्ष 2023 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की जा रही है। वही बैठक के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा-कि पीएम मोदी के आठ साल पूरे होने पर 30 मई से 15 जून भाजपा विशेष अभियान चलाएगी। मंत्रियों से लेकर बड़े पदाधिकारी जिलों में केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर जनता के बीच जायेगे। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के शानदार 8 साल पूरे होने पर बीजेपी विशेष अभियान चलाएगी, 30 मई से 15 जून तक यह विशेष अभियान चलेगा। मंत्रियों से लेकर बड़े पदाधिकारी जिलों में जाएंगे जिलों में, केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता के बीच करेंगे सुनिश्चित करेगें।

इंडिगो ने दिव्यांग बच्चे को फ्लाइट में चढ़ने से रोका

ज्योतिरादित्य सिंधिया, बोले- ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं, एयरलाइन के सीईओ ने माफी मांगी

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडिगो एयरलाइंस की ओर से दिव्यांग बच्चे को विमान में चढ़ने से रोकने का मामला केंद्र तक पहुंच गया है। सोमवार को इसे लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद एयरलाइन के सीईओ ने माफी मांगी है। दरअसल, शनिवार को एक दिव्यांग लड़का अपने माता-पिता के साथ रांची एयरपोर्ट पहुंचा। इस दौरान उसे इंडिगो की रांची-हैदराबाद उड़ान में चढ़ने से रोक दिया गया, जिसके बाद उसके माता-पिता ने भी विमान की यात्रा नहीं करने का फैसला किया। मंत्री ने ट्विटर पर लिखा, ऐसे रवैये के लिए जीरो टॉलरेंस है। किसी भी इंसान को इससे नहीं गुजरना चाहिए! मामले की खुद जांच कर रहा हूं, जिसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।% नागर विमानन महानिदेशालय ने भी इंडिगो से रिपोर्ट मांगी है। सोशल मीडिया पर शेयर होने के बाद इस मामले में कार्रवाई की गई है।

एयरलाइन ने मांगी माफी

इंडिगो ने अपने सीईओ रोनोजॉय दत्ता के हवाले से सोमवार को स्टेटमेंट जारी करके कहा- 7 मई को रांची एयरपोर्ट पर दुर्भाग्यपूर्ण वाकया हुआ, जब एक दिव्यांग टीनेजर और उसके माता-पिता हैदराबाद की फ्लाइट में नहीं चढ़ पाए। इंडिगो के सभी कर्मचारी इस वायके को लेकर परेशान हैं। अप्रैल 2022 से लेकर अब तक हमने करीब 75 हजार दिव्यांगों को लेकर उड़ान भरी है। हमारे क्रू और एयरपोर्ट स्टाफ को खास ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि खास जरूरतों वाले यात्रियों को बेहतर ट्रीटमेंट दिया जा सके। कंपनी ने आगे कहा- चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया के दौरान हम जाहिर तौर पर परिवार को ले जाना चाहते थे, लेकिन बोर्डिंग एरिया में टीनेजर काफी घबराया हुआ नजर आया। हालांकि, यात्रियों को विनम्र और सहानुभूति से ट्रीट करना हमारी सबसे अहम जिम्मेदारी है, लेकिन सेफ्टी गाइडलाइन्स को देखते हुए एयरपोर्ट स्टाफ को एक मुश्किल फैसला लेना पड़ा। इस घटना के सारे पहलुओं की जांच करने के बाद, एक संस्थान के तौर पर हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि मुश्किल घड़ी में हमने सबसे बेहतर निर्णय लिया।

शाहीन बाग में बुलडोजर

शाहीन बाग मामले पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में अतिक्रमण को हटाने के खिलाफ सीपीआइ (एम) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने विचार करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि हम तभी सुनवाई करेंगे जब प्रभावित पक्ष अदालत में आएंगे। दिल्ली के शाहीन बाग में आज सुबह 11 बजे से अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ दक्षिण दिल्ली नगर निगम की कार्रवाई जारी है। एसडीएमसी द्वारा बुलडोजर लगातार इलाके से अतिक्रमण हटाने का काम कर रहा है।

आप विधायक भी विरोध में आए

एसडीएमसी द्वारा अतिक्रमण की कार्यवाई के खिलाफ ओखला से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान भी मौके पर पहुंचे हैं। वह बुलडोजर के आगे आकर कई बार कार्रवाई को रोकते भी दिखे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के कई स्थानीय नेता भी आम लोगों के साथ सड़क पर उतर आए हैं। लोगों ने जाम लगाकर बुलडोजर चलाने का विरोध किया है।

एमसीडी पर माहौल बिगाड़ने का आरोप

अतिक्रमण हटाने का विरोध कर रहे आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने आरोप लगाया कि एमसीडी ÷माहौल बिगाड़ने÷ के लिए अभियान चला रही है। खान ने कहा कि इलाके के लोगों ने उनके अनुरोध पर पहले ही अतिक्रमण हटा लिया था। उन्होंने कहा कि ÷वजू खाना% और यहां की एक मस्जिद के बाहर शौचालय पहले पुलिस की मौजूदगी में हटा दिए गए थे। जब कोई अतिक्रमण नहीं है, तो वे यहां क्यों आए हैं? बस राजनीति करने की कोशिश की जा रही है।

जहांगीरपुरी से शुरू हुआ सिलसिला

जहांगीरपुरी में राम नवमी के दिन हुई हिंसा के बाद से दिल्ली में राजनीतिक हलचल तेज है। वहीं हिंसा के बाद से एमसीडी ने वहां अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर से कार्रवाई की थी। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने वहां बुलडोजर चलाने पर रोक लगा दी थी। एमसीडी ने इसके बाद समूचे शहर में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। दिल्ली के कई इलाकों में सर्वे के बाद अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज शाहीन बाग में भी ये कार्रवाई हो रही है जिसमें दिल्ली पुलिस के अलावा सीआरपीएफ के जवान भी तैनात किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में दो नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जमशेद बी पारदीवाला ने आज सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ ले ली है। सीजेआइ एनवी रमणा ने दोनों न्यायाधीशों को शपथ दिलाई है। दो नये न्यायाधीशों के शपथ लेने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट 34 मंजूर पदों के साथ पूर्ण क्षमता से काम करेगा। इसके साथ ही 30 माह बाद सुप्रीम कोर्ट में 34 न्यायाधीशों की पूर्ण क्षमता हो गई है। हालांकि, यह महज दो दिन तक ही पूर्ण क्षमता से काम कर पाएगा क्योंकि 10 मई को जस्टिस विनीत शरण रिटायर हो रहे हैं।

उत्तराखंड से हैं जस्टिस धूलिया: 10 अगस्त 1960 को जन्में जस्टिस धूलिया उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के सुदूरवर्ती गांव मदनपुर के रहने वाले हैं। उनके दादा भैरव दत्त धूलिया एक स्वतंत्रता सेनानी थे और उन्हें %भारत छोड़ो आंदोलन% में भाग लेने के लिए सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी। वे संस्कृत के विद्वान और आयुर्वेदाचार्य थे। उनके पिता न्यायमूर्ति केशव चंद्र धूलिया इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। जस्टिस धूलिया के दो भाई हैं। उनके बड़े भाई हिमांशु धूलिया एक सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी हैं और छोटे तिग्मांशु धूलिया राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक हैं।

श्रीलंका के पीएम राजपक्षे का इस्तीफा

विपक्ष के दबाव में झुके, देश के कई हिस्सों में हिंसा- टकराव का खतरा बढ़ा

कोलंबो, एजेंसी। दिवालिया होने की कगार पर खड़े श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने विपक्ष के दबाव में इस्तीफा दे दिया। पिछले हफ्ते प्रमुख विपक्षी नेता सिरिसेना ने राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। इसमें तय हो गया था कि प्रधानमंत्री महिंदा इस्तीफा देंगे। इसके बाद अंतरिम सरकार बनेगी। दूसरी तरफ, श्रीलंका के कई हिस्सों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें हैं। इससे भी बड़ा खतरा महिंदा के इस्तीफे से खड़ा हो गया है। दरअसल, उनके बड़े भाई और राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे नहीं चाहते थे कि महिंदा इस्तीफा दें, लेकिन विपक्ष की मांग के आगे उन्हें झुकना पड़ा। दूसरी तरफ, उन्होंने अपने समर्थकों को सड़कों पर उतार दिया। अब राजपक्षे भाईयों के विरोधियों और समर्थकों के बीच देश के कई हिस्सों में झड़पें शुरू हो गई हैं। श्रीलंका 1948 में अपनी आजादी के बाद से सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका है, जिससे वह जरूरी चीजों का आयात नहीं कर पा रहा है। इसे देखते हुए बांग्लादेश ने करेंसी स्वैप के माध्यम से दिए गए 20 करोड़ डॉलर के लोन को चुकाने की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी है। बांग्लादेश बैंक के डायरेक्टर्स ने एक बैठक में यह फैसला किया। डेली मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय बैंक के प्रवक्ता सेराजुल इस्लाम ने कहा कि लोन की शर्तों को बदले बिना ही इसे बढ़ाया गया है। वहीं, सरकार के खिलाफ लोगों का विरोध जारी है।

2021 में बांग्लादेश ने दिया था लोन

बांग्लादेश ने करेंसी स्वैप (मुद्रा विनिमय) समझौते के तहत श्रीलंका को 200 मिलियन डॉलर की सहायता मई 2021 में दी थी। श्रीलंका को लोन 3 महीने में चुकाना था, लेकिन फिर श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट में फंस गया। इसके बाद बांग्लादेश ने लोन चुकाने की अवधि बढ़ा दी है।

मानवीय सहायता भेज रहा बांग्लादेश

बांग्लादेश ने हाल ही में श्रीलंका को इमरजेंसी मेडिकल सप्लाईज भेजी थीं। स्टेट गेस्ट हाउस में आयोजित एक टोकन हैंडओवर समारोह में बांग्लादेशी विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन और स्वास्थ्य मंत्री जाहिद मालेक ने बांग्लादेश में श्रीलंका के उच्चायुक्त सुदर्शन डीएस सेनेविरत्ने को दवाओं के बॉक्स दिए थे। मोमेन ने दवा की आपूर्ति को बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच एकजुटता और दोस्ती की अभिव्यक्ति बताया। इस बीच, सेनेविरत्ने ने कहा कि श्रीलंका बांग्लादेश के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को महत्व देता है और इसे और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान बांग्लादेश की एसेंशियल ड्रग्स कंपनी लिमिटेड और बांग्लादेश एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज ने मिलकर करीब 10 करोड़ की दवाएं श्रीलंका को सौंपी थीं।

विजय दिवस पर पुतिन ने कहा, यूक्रेन में रूस की कार्रवाई पश्चिमी देशों की नीतियों के खिलाफ है जवाब

मास्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में मास्को की सैन्य कार्रवाई को पश्चिमी नीतियों के लिए एक जवाब के रूप में बताया है। नाजियों पर द्वितीय विश्व युद्ध की जीत को चिह्नित करते हुए सोमवार को विजयी दिवस की सैन्य परेड में बोलते हुए पुतिन ने नाजी सैनिकों के खिलाफ लाल सेना की लड़ाई और यूक्रेन में रूसी सेना की कार्रवाई के बीच समानताएं बताईं। उन्होंने कहा कि रूसी सैनिक यूक्रेन में देश की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं। इस दौरान पुतिन ने युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में एक मिनट का मौन रखा। विजय दिवस के मौके पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में रूसी सेनाएं अपने मातृभूमि को खतरे से बचा रही हैं। साथ ही कहा कि यूक्रेन में रूसी सेना नाजीवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखे हुए हैं।

रेड स्क्वायर पर किया गया सैन्य परेड का आयोजन

विजय दिवस के मौके पर सोमवार को रेड स्क्वायर पर एक सैन्य परेड का आयोजन किया गया। यह आयोजन हर साल किया जाता है। सैन्य परेड में टैंक, बख्तरबंद वाहन, विशाल अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों को ले जाने वाले वाहन आदि नजर आए।

रूसी सीमाओं के बीच अस्वीकार्य खतरा था मौजूद

सैन्य परेड में बोलते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने आक्रमण को सही ठहराने की मांग करते हुए दावा किया कि हमारी सीमाओं के ठीक बगल में एक बिल्कुल अस्वीकार्य खतरा (नाटो) मौजूद था। पुतिन ने बार-बार आरोप लगाया है कि यूक्रेन रूस पर हमला करने की योजना बना रहा था, जिसका कीव ने स्पष्ट रूप से खंडन किया है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कामाख्या मंदिर में पूजा की मनकाचर बीओपी में बीएसएफ अफसरों से मिले

गुवाहाटी, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिन के असम दौरे पर हैं। सोमवार को गृह मंत्री शाह सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के साथ सबसे पहले गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद दोनों नेता मनकाचर बीओपी पहुंचे, जहां उन्होंने बीएसएफअधिकारियों से बातचीत की। इसके अलावा शाह के साथ सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने तामुलपुर में भूमि पूजन भी किया। तामुलपुर में बीएसएफ के सेंट्रल स्टोर, वर्कशॉप के उद्घाटन और खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों के शुभारंभ पर शाह ने कहा कि खादी ग्राम उद्योग बोर्ड के टर्नओवर में 248 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और कुल टर्नओवर 1 लाख करोड़ रुपए के पार हो गया है। अगर 1 लाख करोड़ का टर्नओवर करता है तो देश के करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता है। असम की भाजपा सरकार सीएम बिस्वा सरमा के नेतृत्व में मंगलवार को अपना एक साल पूरा कर रही है। राज्य सरकार की पहली सालगिरह पर कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करने के लिए गृह मंत्री रविवार-सोमवार की दरमियानी रात में वो गुवाहाटी पहुंचे, जहां सीएम ने उनका स्वागत किया।

कमीशनखोरी की शिकायत मिलने पर सीएम ने सूरजपुर जिला पंचायत सीईओ को हटाया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोगों की शिकायतों पर सूरजपुर में भी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सूरजपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राहुल देव को हटा दिया गया। उनकी जगह लीना कोसमी को सूरजपुर जिला पंचायत का नया सीईओ बनाया गया है। सूरजपुर से मुख्यमंत्री के हेलिकॉप्टर के टेकऑफ होते ही सामान्य प्रशासन विभाग ने तबादले का आदेश जारी कर दिया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2016 बैच के अफसर राहुल देव को सूरजपुर से हटाकर जांजगीर-चांपा जिले में अपर कलेक्टर बनाया गया है। रविवार को प्रेमनगर विधानसभा में लगी चौपाल में कई लोगों ने जिला पंचायत में कमिशनखोरी की शिकायत की थी।

आरोप था कि अधिकारी 20 प्रतिशत लिए बिना कोई काम नहीं करते। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस शिकायत की जांच के निर्देश दिए थे। जांच होने तक जिला पंचायत सीईओ को हटाने पर बात हुई। सोमवार को मुख्यमंत्री के सूरजपुर से रवाना होते ही सामान्य प्रशासन विभाग ने तबादले का आदेश जारी कर दिया। मुख्यमंत्री को कई विभागों की शिकायत मिली है। इससे पहले सूरजपुर में पत्रकारों से चर्चा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, अधिकांश अधिकारी अच्छा काम रहे हैं। जहां गड़बड़ी हो रही है, वहां सुधारने की जरूरत है। पंचायतों में काम सुधारने की जरूरत है। सुमेरपुर में टीचर नहीं जाते, बिहारपुर में एवजीदार पढ़ा रहे हैं। शिक्षा विभाग में बहुत कार्य करने की जरूरत है। योजनाओ की धरातल पर स्थिति से जुड़े एक सवाल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, योजनाएं अच्छी चल रही हैं। शिकायते राजस्व विभाग की हैं। उनका निराकरण कर रहे हैं। उसके लिए ऑनलाइन कॉल सेंटर भी खोल रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अफसरों की समीक्षा बैठक के दौरान कहा, जो होना चाहिए वही हो, जो नहीं होना चाहिए वो बिल्कुल न हो। वन अधिकार पट्टा वितरण में सावधानी बरतें, यह वास्तविक लोगों को मिले इसका ध्यान रखा जाए।

गौ मूत्र खरीदी जल्द शुरू होगी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, सरकार जल्दी ही गौ मूत्र की भी खरीदी शुरू करेगी। गौ मूत्र के संग्रहण, उसके भंडारण, प्रोसेसिंग, खरीदी रेट, बने उत्पादों के लिए मार्केट इन सबका आकलन करने के लिए समितियां बनाई गई हैं। गौ मूत्र खरीदी की पूरी योजना के लिए एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, गोबर और गौ मूत्र से गौ धन का महत्व बढ़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक घोषित

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा की सहमति से पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक ब्रिगेडियर ए.पी. सिंह ने प्रकोष्ठ के जिला संयोजकों की घोषणा की है। जिला संयोजकों में श्री मनोहर पाल दतिया, श्री राकेश सिंह राजावत (दीपू) भिंड, श्री भगत सिंह श्योपुर, श्री विशाल जोशी शिवपुरी, श्री लक्ष्मण सिंह लोधा गुना, श्री सुरेंद्र यादव ग्वालियर ग्रामीण, श्री मनीराम यादव निवाड़ी, श्री करन सिंह छतरपुर, श्री नारायण शाहा पन्ना, श्री गोविन्द बड़गैया दमोह, श्री तनराज सिंह सतना, श्री योग्य सेन गुप्ता सीधी, श्री आर टी पटेल सिंगरौली, श्री चंद्रशेखर तिवारी रीवा, श्री राम लाल तिवारी अनूपपुर, श्री सुरेश प्रसाद जैसवाल कटनी, श्री नागेंद्र चौहान डिंडौरी, श्री जगदीश पटेल मंडला, श्री पन्ना नगपुरे बालाघाट, श्री उदित ठाकुर सिवनी, श्री शारदा प्रसाद पटेल नरसिंहपुर, श्री देवेन्द्र कुमार ढोबलेकर छिंदवाड़ा, श्री भगवान सिंह वर्मा सीहोर, श्री देशराज उपाध्याय रायसेन, श्री राजाराम राजपूत विदिशा, श्री मान सिंह यादव राजगढ़, श्री सी के चौबे भोपाल ग्रामीण, श्री देवेन्द्र सिंह तोमर इंदौर नगर, श्री देवीलाल पटेल खण्डवा, श्री राजेंद्र ठाकुर बुरहानपुर, श्री मांगीलाल कछोटीया झाबुआ, श्री मोतीलाल नागर धार, श्री नीरज कुमार माहुले बडवानी, श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान नीमच, श्री ईश्वरलाल पाटीदार मंदसौर, श्री भूपेंद्र सिंह सेंधव देवास, श्री सीताराम परमार आगर को मनोनीत किया है।

जल जीवन मिशन से 49 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार हुए लाभान्वित

भोपाल। जल जीवन मिशन में प्रदेश के सभी ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने के लिए जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य जारी हैं। अब तक 49 लाख 32 हजार 223 ग्रामीण परिवारों तक नल से जल मुहैया करवाया जा चुका है। जल परियोजनाओं का संचालन और संधारण ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों द्वारा किया जा रहा है।

अपराधी आसमान में हो या पाताल में बच नहीं पाएगा : परिवहन मंत्री श्री राजपूत

भोपाल। राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने जैसीनगर थाना क्षेत्र में दुष्कर्म पीड़िता युवती के परिजन से मिलकर 2 लाख 25 हजार की आर्थिक सहायता दी। साथ ही पीड़िता के लिए अच्छे से अच्छा इलाज मुहैया कराने का आश्वासन भी दिया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि अपराधी चाहे आसमान में हो या पाताल में हम उसे खोज निकालेंगे और कानून उसे कड़ी से कड़ी सजा देगा।

टारगेट से 8 लाख क्विंटल दूर भोपाल

16 मई तक होगी गेहूं खरीदी, अब तक 22 लाख क्विंटल खरीदा

विदिशा-सीहोर में सबसे ज्यादा

भोपाल

जबलपुर-ग्वालियर समेत प्रदेश के 37 जिलों में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 16 मई तक चलेगी, जबकि इंदौर और उज्जैन संभाग में 10 मई तक खरीदी होगी। सरकार को गेहूं बेचने के लिए किसान दिलचस्पी दिखा रहे हैं। यही कारण है कि ज्यादातर जिलों में अच्छी खरीदी जा चुकी है। भोपाल टारगेट से 8 लाख क्विंटल दूर है। अब तक यहां 22 लाख क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है, जबकि टारगेट 30 लाख क्विंटल है। संभाग में विदिशा-सीहोर में सबसे ज्यादा गेहूं खरीदा गया है। भोपाल में अब कुल 23 हजार 81 किसान गेहूं बेच चुके हैं। जिनसे 22 लाख 66 हजार 507 क्विंटल गेहूं खरीदा गया। जिला आपूर्ति नियंत्रक ज्योति शाह नरवरिया ने बताया,

भोपाल के 77 सेंटरों पर गेहूं की खरीदी हो रही है।

संभाग के इन जिलों में इतनी खरीदी

विदिशा में 205 सेंटरों पर 40 हजार 872 किसान करीब 44 लाख क्विंटल गेहूं बेच चुके हैं। सीहोर के 205 सेंटरों पर 49 हजार 924 किसानों से 42 लाख क्विंटल से ज्यादा गेहूं खरीदा गया। रायसेन के 146 सेंटरों में 41 हजार 264 किसानों ने 39 लाख क्विंटल गेहूं बेचा। वहीं, राजगढ़ के 115 खरीदी सेंटरों पर 21 हजार किसानों से 12 लाख 86 हजार क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है।

इंदौर-उज्जैन में 28 मार्च से शुरू हुई थी खरीदी

इंदौर और उज्जैन संभाग के 15 जिलों में 28 मार्च से खरीदी शुरू हुई थी, जो 10 मई तक चलेगी। बाकी जिलों में 4 अप्रैल से खरीदी शुरू हुई, जो 16 मई तक चलेगी।

शुरुआत में कम थी दिलचस्पी

खरीदी के शुरुआती एक-दो दिन तक किसानों ने सरकार को गेहूं बेचने में कम दिलचस्पी दिखाई थी। इसकी वजह थी मंडियों में गेहूं के अच्छे रेट मिलना। मंडियों में भाव 2400 रुपए क्विंटल तक पहुंच गए थे। हालांकि, किसान सरकार को भी गेहूं बेचने लगे। इसके चलते कई जिलों में टारगेट के मुताबिक गेहूं की खरीदी हो रही है।

सामाजिक परिवर्तन का अभियान बना लाड़ली लक्ष्मी योजना : शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष ने लाड़ली लक्ष्मी 2.0 का शुभारंभ करने पर मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

विदिशा। समाज में कभी बेटियों को अभिशाप माना जाता था, लेकिन बेटियों को वरदान बनाने का काम मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया है। आज मध्यप्रदेश में 42 लाख से अधिक बेटियां लाड़ली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित हुई हैं। लाड़ली लक्ष्मी सिर्फ योजना नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का अभियान बना है। लाड़ली लक्ष्मी बेटियां मध्यप्रदेश को आगे ले जाने का काम करेंगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद है जिन्होंने बालिका सशक्तिकरण की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 का शुभारंभ किया है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम में कही। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा लाल परेड ग्राउंड में आयोजित लाड़ली लक्ष्मी उत्सव में विदिशा से वर्चुअली शामिल हुए थे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष ने कन्या पूजन के साथ किया।

श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सामाजिक परिवर्तन का अभियान शुरू किया है। मध्यप्रदेश से शुरू हुआ बेटी बचाओ अभियान पूरे देश में बालिका सशक्तिकरण की पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ अभियान को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आगे बढ़ाते हुए इसे बेटियों की शिक्षा से जोड़ा। आज 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान देश की आधी आबादी की ताकत बना है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप और स्वतंत्रता सेनानी श्री गोखले की जयंती पर नमन किया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप और स्वतंत्रता सेनानी श्री गोपाल कृष्ण गोखले की जयंती पर उन्हें नमन किया और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महान योद्धा, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की वीरता, अनन्य राष्ट्रभक्ति, प्रजा प्रेम और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए निरंतर संघर्ष का स्मरण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संपन्न, शिक्षित और जागृत भारत निर्माण के लिए समर्पित स्वतंत्रता सेनानी श्री गोखले के कार्यों का भी स्मरण किया।

नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट में कोरोना संक्रमित मरीज नहीं

रैपिड टेस्ट में मिले थे 13 पॉजिटिव, आरटीपीसीआर जांच हुई तो सभी 34 सैंपल की रिपोर्ट आई निगेटिव

भोपाल

राजधानी भोपाल में नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में रविवार को 13 कोरोना पॉजिटिव मिलने की खबर के बाद हड़कंप मच गया था। बताया जा रहा है कुछ छात्रों को बुखार, सर्दी--जुकाम की शिकायत होने पर रैपिड एंटीजन टेस्ट कराए गए थे। इनमें 13 छात्रों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की नई गाइडलाइन के मुताबिक आरटीपीसीआर टेस्ट को ही प्रभावी माना जाता है। ऐसे में देर शाम 34 छात्रों के आरटीपीसीआर सैंपल लिए गए थे। जांच में सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है।

एनएलआईयू में 15 मई से होनी है परीक्षाएं

नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में 15 मई से परीक्षाएं शुरू हो रहीं हैं। परीक्षाओं के ठीक पहले कोरोना पॉजिटिव मिलने

की खबर से प्रबंधन भी सकते में आ गया था। आनन--फानन में स्वास्थ्य विभाग की टीम बुलाकर 34 लोगों की आरटीपीसीआर सैंपलिंग कराई गई। इसमें रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद प्रबंधन ने राहत की सांस ली है। बताया जा रहा है कि एग्जाम को देखते हुए शरारती तत्वों ने संस्थान में बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमित मिलने की सूचना सोशल मीडिया में वायरल की थी।

डॉक्टर के रसूख के आगे नतमस्तक रहते हैं अफसर: जीएमसी में बॉयज हॉस्टल में विथ फैमिली सालों डटे रहे डॉ.हेमंत वर्मा

भोपाल

हाल ही में मप्र हाईकोर्ट का एक फैसला चर्चा में हैं। साल 2008 में भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज के एक जूनियर डॉक्टर चंद्रेश मर्सकोले पर अपनी प्रेमिका की हत्या का मामला दर्ज हुआ था करीब 13 साल बाद आए फैसले में हाईकोर्ट ने चंद्रेश को बरी कर दिया। इस मामले में चंद्रेश के वकील की तरफ से कोर्ट में यह दलील दी गई कि डॉ.हेमंत वर्मा ने हत्या की थी और चंद्रेश को पुलिस अफसरों से दोस्ती के बल पर फंसा दिया। जीएमसी के अफसर बताते हैं कि डॉ.वर्मा अपनी राजनैतिक पहुंच और अफसरों से करीबी

के बल पर अपनी धाक जमाए रहते हैं। जीएमसी के बॉयज हॉस्टल में पिछले डेढ़ दशक से कब्जा कर डटे रहे। मेडिकल स्टूडेंट्स के हॉस्टल में कई सालों तक डॉ.वर्मा अपने परिवार के साथ जमे रहे। इस दौरान कई

हडताल हुई तो छोड़ा हॉस्टल:- गांधी मेडिकल कॉलेज में दो साल पहले हॉस्टल में हो रहीं चोरियों और जीएमसी की तत्कालीन डीन की कार्यप्रणाली के विरोध में जूनियर डॉक्टर्स ने हडताल की थी। हॉस्टल्स में चोरी और घुसपैठ की घटनाओं को लेकर शुरू हुए विरोध प्रदर्शन के बाद सभी वार्डन को बदल दिया गया था। इसी दौरान डॉ. हेमंत वर्मा ने हॉस्टल से अपने परिवार को अपने घर में शिफ्ट कर दिया था।

ई ब्लॉक के सभागार पर अब भी डॉ.वर्मा का कब्जा

गांधी मेडिकल कॉलेज के ई ब्लॉक बॉयज हॉस्टल के हॉल में डॉ.हेमंत वर्मा अब भी कब्जा जमाए हुए हैं। कई डीन बदलने के बाद भी हॉस्टल से डॉ.वर्मा का कब्जा नहीं हट पाया। मेडिकल स्टूडेंट्स ने कई बार प्रबंधन से डॉ.वर्मा की फैमिली से कमरे खाली कराने की गुहार लगाई लेकिन प्रबंधन हिम्मत नहीं जुटा पाया। सरकारी नौकरी में होते हुए भी डॉक्टर हेमंत वर्मा की कांग्रेस नेताओं से नजदीकियां जगजाहिर हैं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

केन्द्र एवं राज्य सरकार के अधिकारियों ने किया आजीविका एकीकृत पार्क का निरीक्षण

अधिकारियों ने स्व-सहायता समूह की आर्थिक गतिविधियों की सराहना की

भोपाल

केन्द्र एवं राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा इछावर तहसील के ग्राम भाऊखेड़ी पहुँचकर आजीविका मनरेगा एकीकृत पार्क का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से विस्तृत चर्चा कर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। भारत सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव श्री नागेंद्र नाथ सिन्हा एवं अन्य अधिकारियों ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा के दौरान पार्क में चल रही गतिविधियों को

और आगे बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने समूह की महिला सदस्यों से तुलसी, अश्वगंधा, थाई अमरूद एवं सब्जी उत्पादन आदि से हो रही आमदनी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन और संकुल स्तरीय संघो के कार्यों की जानकारी ली और संकुल स्तरीय संघ में उपलब्ध राशि के उपयोग पर चर्चा की। स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने समूह से जुड़ने के पश्चात आए बदलाव को अधिकारियों के साथ साझा किया। समूह की महिलाओं ने बताया कि फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का गठन कर 1000 शेयर होल्डर बनाकर इस वर्ष एक करोड़ 52 लाख रूपये का कृषि उपज मंडी से गेहूँ क्रय कर आईटीसी कंपनी को विक्रय किया। अधिकारियों ने महिला स्व-सहायता समूह के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। पंचायत राज मंत्रालय भारत सरकार के सचिव श्री नागेंद्रनाथ सिन्हा, उपसचिव भारत सरकार श्री संजय कुमार, दिल्ली से श्री रोहित कुमार, प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, मनरेगा कमिश्नर शुफीया फारूकी, कलेक्टर श्री चंद्रमोहन ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हर्ष सिंह एवं अन्य अधिकारियों निरीक्षण में साथ रहे।

भेंट-मुलाकात : आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की सभी जगह हो रही है तारीफ

राजीव गांधी किसान न्याय योजना की एक भी शिकायत नहीं मिली : मुख्यमंत्री बघेल

- गोधन न्याय योजना में खरीदी से लेकर राशि वितरण तक की प्रक्रिया में सब ठीक
- गौठान में स्व सहायता समूह कर रहे हैं अच्छा काम
- राजस्व रिकार्ड की दुरुस्ती, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन उचित ढंग से समय सीमा पर पूर्ण हों
- मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात के दौरे के बाद जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज भेंट-मुलाकात अभियान के छठवें दिन सूरजपुर में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राजस्व अमले को निचले स्तर पर काम करने की जरूरत है, राजस्व रिकार्ड की दुरुस्ती और नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन उचित ढंग से समय सीमा पर पूर्ण हों। वन अधिकार का पट्टा वितरण में यह ध्यान रखें कि हितग्राहियों को वास्तविक कब्जा पर पट्टा मिले। यह भी सावधानी रखें कि वास्तविक हितग्राही को ही 'वन अधिकार पट्टा वितरित किया जाए। इस अवसर पर विधायक एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री खेलसाय सिंह, संसदीय सचिव श्री पारसनाथ राजवाड़े और मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान 6 दिनों में सरगुजा संभाग के 5 विधानसभा क्षेत्रों सामरी, रामानुजगंज, प्रतापपुर, भटगांव और प्रेमनगर में 20 स्थानों का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा कि नरवा योजना का लाभ मैदानी स्तर पर दिख रहा है। नरवा प्रोजेक्ट में तेजी से कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पंचायतों में काम सुधारने की जरूरत है। गांवों के भ्रमण के दौरान राजीव गांधी किसान न्याय योजना की एक भी शिकायत नहीं मिली। इसी तरह गोधन न्याय योजना में खरीदी से लेकर राशि वितरण तक की प्रक्रिया में सब ठीक है। गौठान में स्व सहायता समूह अच्छा काम कर रहे हैं। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की सभी जगह तारीफ हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग में बहुत कार्य करने की जरूरत है। सुमेरपुर में टीचर नहीं जाते, बिहारपुर में एवजीदार पढ़ा रहे हैं। इसमें सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अधिकांश अधिकारी अच्छा काम रहे हैं। जहां गड़बड़ी हो रही है, वहां सुधारने की जरूरत है।

खिलाड़ी चंदन वुशु को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के 6वें दिन सूरजपुर में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मिलने के बाद थोडा, थांगता और एथेलिमा फाइटिंग गेम्स के खिलाड़ी श्री चंदन वुशु की मुराद पूरी हो गई है। खिलाड़ी श्री चंदन वुशु की मांग पर मौके पर ही 2 लाख रूपए आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। दरअसल 18 वर्षीय रुनियाडीह निवासी खिलाड़ी श्री चंदन वुशु आज सूरजपुर स्थित सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री श्री बघेल से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वे थोडा, थांगता और एथेलिमा जैसे फाइटिंग गेम्स के खिलाड़ी है और राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया है। थोडा खेल में हिमाचल प्रदेश के शिमला में उन्होंने दूसरा स्थान प्राप्त किया था। श्री चंदन वुशु ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे गरीब किसान परिवार का बेटा है।

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों की कलेक्टर ने की समीक्षा

धमतरी। कलेक्टर श्री पी.एस.एल्मा ने आज जिले के चारों विकासखण्डों के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा की। इसमें प्रमुख तौर पर अधोसंरचना, शिक्षक भर्ती, विद्यार्थी प्रवेश, परीक्षा परिणाम के अलावा नए शिक्षा सत्र से इन सभी स्कूलों में एल.के.जी. कक्षाएं संचालित करने के लिए की जा रही व्यवस्था सम्मिलित रही। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से आहूत इस बैठक में कलेक्टर ने सुनिश्चित करने कहा कि नए शिक्षा सत्र अर्थात् 16 जून से पहले इन सभी स्कूलों को इस तरह व्यवस्थित कर लिया जाए कि शासन की मंशानुरूप इनका बेहतर तरीके से संचालन संभव हो सके। उन्होंने सकारात्मक नजरिया के साथ इन इंग्लिश मीडियम स्कूलों को संचालित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने कहा है।

खास तौर पर इन स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्यों के मद्देनजर वहां मौजूद फर्नीचर, लायब्रेरी की किताबें, अन्य समग्रियों को इस तरह व्यवस्थित और सुरक्षित रखने का इंतजाम करने कहा है कि उनको नुकसान ना पहुंचे। उन्होंने बैठक में सख्त निर्देश दिए हैं कि वहां चल रहे अधोसंरचना संबंधी कार्यों को गुणवत्तापूर्वक तथा समय सीमा में पूरा किया जाए। इसमें किसी तरह की कोताही या ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आज की बैठक में कलेक्टर ने ब्लॉकवार स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों की अधोसंरचना, जिसमें पर्याप्त कक्षा, पानी, बिजली, शौचालय, फर्नीचर की उपलब्धता एवं आवश्यकता इत्यादि की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में उपस्थित इन सभी स्कूलों के प्राचार्यों को एक चेकलिस्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं, जिसमें स्कूल के लिए आवश्यक अधोसंरचनाएं जैसे क्लास रूम, स्टाफ रूम, प्रिंसिपल रूम, कम्प्यूटर रूम, लाईब्रेरी, म्यूजिक रूम, स्पोर्ट्स रूम, वॉटर कूलर, सीसीटीवी कैमरा, साउंड सिस्टम, पोडियम इत्यादि सम्मिलित हैं।

स्कूलों में व्यवस्थित शौचालय, जिसमें रनिंग वॉटर की सप्लाई हो, यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। इसके अलावा इन स्कूलों में पानी और बिजली की उपलब्धता भी बनी रहे, इस पर भी कलेक्टर का विशेष जोर रहा। उन्होंने धमतरी, कुरूद, मगरलोड और नगरी स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षक भर्ती तथा विद्यार्थी प्रवेश में पूरी पारदर्शिता बरतने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने नए शिक्षा सत्र से इन इंग्लिश मीडियम स्कूलों में 40-40 सीटों पर शुरू किए जा रहे एल.के.जी. कक्षाओं की भी समीक्षा की। बताया गया कि इन स्कूलों में लॉटरी पद्धति से बच्चों को प्रवेश दिया जा रहा है। कलेक्टर ने बैठक के अंत में जोर दिया है कि राज्य शासन की मंशानुरूप इन स्कूलों को सही तरीके से संचालित करने का प्रयास किया जाए, जिससे कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को इसका सीधा सीधा लाभ मिल सके। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग का अमला मौजूद रहा।

विधायक मोहन मरकाम ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

कोण्डागांव। रविवार को ~~कोण्डागांव विधायक मोहन~~ मरकाम द्वारा कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमें उन्होंने मुलमुला, नेवता, बफना, फरसगांव बेड़ा, खूटडोबरा, कोकोड़ी एवं खड़का में वाटर शेड विकास अंतर्गत पचरी निर्माण, नाली निर्माण, सोख्ता पीट निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने नेवता एवं मुलमुला में ग्रामीणों को कृषि एवं इससे संबंधित नवीन प्रौद्योगिकी से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं प्रौद्योगिकी मिशन अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इसके द्वारा शासन का उद्देश्य गांवों में उन्नत आधुनिक कृषि के माध्यम से उत्पादन में वृद्धि कर कृषकों की आय में वृद्धि करना है। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष भगवती पटेल, कोण्डागांव जनपद अध्यक्ष शिवलाल मण्डावी, सांसद प्रतिनिधि कैलाश पोयाम, भागवत पटेल, भारत देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं कृषक सम्मिलित हुए।

विधायक ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

कोण्डागांव। रविवार को कोण्डागांव विधायक मोहन मरकाम द्वारा कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमें उन्होंने मुलमुला, नेवता, बफना, फरसगांव बेड़ा, खूटडोबरा, कोकोड़ी एवं खड़का में वाटर शेड विकास अंतर्गत पचरी निर्माण, नाली निर्माण, सोख्ता पीट निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने नेवता एवं मुलमुला में ग्रामीणों को कृषि एवं इससे संबंधित नवीन प्रौद्योगिकी से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं प्रौद्योगिकी मिशन अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके द्वारा शासन का उद्देश्य गांवों में उन्नत आधुनिक कृषि के माध्यम से उत्पादन में वृद्धि कर कृषकों की आय में वृद्धि करना है। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष भगवती पटेल, कोण्डागांव जनपद अध्यक्ष शिवलाल मण्डावी, सांसद प्रतिनिधि कैलाश पोयाम, भागवत पटेल, भारत देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं कृषक सम्मिलित हुए।

20 चाकू जब्त, चाकूबाजी को रोकने पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

महासमुंद। महासमुंद जिले में लगातार बढ़ रही चाकू बाजी की घटनाओं के रोकथाम के लिए जिले की पुलिस ने शॉपक्लूज, स्नैपडील आदि ऑनलाइन वेबसाइट से मंगाई गई 20 चाकू को लोगों से जब्त किया है। यह कार्रवाई कोतवाली थाना पुलिस ने की है। बता दें कि ऑनलाइन वेबसाइट शॉपक्लूज, स्नैपडील के माध्यम से जिसने भी ये बटन की चाकू, धारदार चाकू, पेन चाकू, या अन्य प्रकार के चाकू मंगाए हैं और जिन्हें वह अवैध रूप से अपने पास रखे हैं, उन वेबसाइट से उन सभी लोगों की जानकारी प्राप्त कर उनसे संपर्क कर सभी अवैध चाकू को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। पुलिस ने बताया कि अभी वर्तमान में केवल दो ही ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है। फ्लिपकार्ट, अमेजॉन व अन्य साइट से भी जानकारी प्राप्त कर जिले में जितने भी ऑनलाइन चाकू डिलीवरी हुई है सभी को जब्त किया जाएगा। अभी तक 10 हजार रुपए के 20 चाकू जब्त किए गए हैं।

भू-अर्जन के तहत 5 भू स्वामियों को मिला 1 करोड़ 2 लाख रूपये से अधिक का मुआवजा,राशि का हुआ वितरण

बलौदाबाजार। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भाटापारा के तहत पक्षकार कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग बलौबादाजाबार विरूद्ध रेखा पति अनिल कुमार चांडक एवं अन्य 4 निवासी भाटापारा तहसील भाटापारा के संदर्भ में अनिवार्य भू-अर्जन करते हुए अवार्ड पारित किया गया। जिसमें पांच प्रभावित खातेदारों के पक्ष में राशि 1करोड 2 लाख 18 हजार 8 सौ 52 रुपये के भुगतान हेतु संबंधित विभाग लोक निर्माण को राशि प्रदाय करने हेतु आदेशित किया गया। एसडीएम लवीना पांडेय ने जानकारी देतें हुए कहा उक्त प्रकरण खोखली- ढाबाडीह-पेण्डरी से देवरी मार्ग निर्माण हेतु भूमि लोक निर्माण विभाग द्वारा अर्जन किया गया है। प्रकरण में कुल पांच कृषकों की कुल भूमि 0.700 हें का अर्जन हुआ,जिसमें आदेश पारित करते हुए भू-अर्जन अधिकारी भाटापारा ने लोक निर्माण विभाग से मुआवजा राशि प्राप्त करने उपरांत त्वरित कार्यवाही करते हुए खातेदारों को मुआवजा वितरण किया जिसके तहत खातेदार क्रमांक 1 रेखा पति अनिल कुमार चांडक को राशि 7 लाख 19 हजार 712 रूपयें, खातेदार क्रमांक 2 अनिल कुमार पिता आशाराम चांडक को राशि 13 लाख 49 हजार 460 रूपयें, खातेदार क्रमांक 3 रूखमीन बाई पिता तिलकराम, रामखिलावन, नंदलाल पिता फिरनलाल राशि 51 लाख 2 हजार 244 रूपयें एवं खातेदार कमांक 4.सुधीर पिता कैलाश,अजय कुमार पिता द्वारिका प्रसाद पांडे, विकास पिता अरूण कुमार को राशि 18 लाख 52 हजार 200 रूपयें,कुल चार कृषकों को कुल राशि 90 लाख 23 हजार 616 रूपयें राशि अनिवार्य भू-अर्जन के मुआवजे के तौर पर 5 मई 2022 को वितरण किया गया।नक्षेत्र में विकास कार्यो को गति प्रदान करने हेतु शीघ्रता से अवार्ड पारित करते हुए प्रभावित खातेदारों को मुआवजा राशि भुगतान किया गया।

टीआई की नेकदिली, गृहस्थी का सामान देकर किया युवती की विदाई

महासमुंद। महासमुंद जिले का सरायपाली थाना इनदिनों अपनी नेकदिली के लिए चर्चा में है। टीआइ आशीष वासनिक को एक महिला अपनी बेटी के विवाह का निमंत्रण देने पहुंची। वासनिक ने निमंत्रण देने का कारण पूछा तो उसने कहा कि वे लोगों की सहायता करते हैं। बेटी की शादी में आएं और आशीर्वाद दें। महिला के जाने के बाद जानकारी ली गई तो पता लगा कि महिला के पति गुजर गए हैं। घरों में बर्तन साफ कर खुद व बिटिया का जीविकोपार्जन करती है। परिवार गरीब, जरूरतमंद है। इस पर वासनिक ने

स्टाफ से चर्चा की। यहां अधिकारी कर्मचारी मिलाकर 70 लोगों का स्टाफ है। सभी ने अपनी शक्ति व सदभाव के अनुसार राशि समर्पण की। देखते ही देखते अच्छी खासी रकम एकत्र हुई। टीआई ने इस रकम से बिटिया को दिए जाने वाले सभी समानों की सूची बनाई। टीवी, पलंग, गृहस्थी की सामग्री खरीदी कराई। साथ ही विवाह के लिए राशन का प्रबंध भी किया। बाद में महिला व बिटिया को यह समान भेंट किया गया। सामग्री पाकर बिटिया की मां की चिंता दूर हो गई। उसने सरायपाली पुलिस का आभार जताया। बताया गया है कि बिटिया की शादी 12 मई को है। महलपारा में चनाट से बरात आएगी। टीआई आशीष वासनिक ने बताया की स्टाफ के सामूहिक सहयोग से यह संभव हो पाया। इधर इस बात की जानकारी होने पर पुलिस की सराहना हो रही है। नगर में यह चर्चा का विषय बना है। बिटिया के विवाह में कुछ स्वयंसेवी संगठन, समाजसेवक अपना सहयोग देने सामने आ रहे हैं।

ाती से आर्थिक लाभ वागांव के रामेश्वर

छत्तीसगढ़ सरसों प्रमाणित बीज 50त्न अनुदान पर उपलब्ध कराया गया। जिससे किसान द्वारा अपने 1 एकड़ भूमि में सरसों की खेती की गई। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा खेत में अपने घर का वर्मी कंपोस्ट तथा कंपोस्ट खाद का उपयोग किया गया, जबकि पहले गेहूं की खेती के लिए रासायनिक खाद खरीदना पड़ता था जिससे लागत भी अधिक आती थी। उन्होंने बताया कि एक एकड़ भूमि में सरसों की खेती के लिए उन्हें मात्र 3000 रुपए लागत आई और उन्हें एक एकड़ मे खेती से 3 क्विंटल सरसों प्राप्त हुआ। इस प्रकार लागत मूल्य हटाकर उन्हें 15000 रुपए की शुद्ध आय प्राप्त हुई। उन्होंने अन्य किसानों से भी अनुरोध किया है कि तेल के मिलावट से होने वाले विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने के लिए अपने घरों में तिलहन की खेती जरूर करें, जिससे स्वास्थ्य व आर्थिक लाभ मिल सके तथा भूमि की उर्वरक क्षमता भी अच्छी बनी रहे।

मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजनाः 4 महीनों में ही 38 हजार से अधिक मरीज हुए लाभांवित

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शासन एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा आरंभ की गई महत्वाकांक्षी योजना हाट बाजार क्लीनिक योजना का क्रियान्वयन जिलें में सर्वोच्च प्राथमिकता से किए जा रहे है। इस सम्बंध में आज जानकारी देते हुए जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिस्वर ने बताया की इस वर्ष जनवरी से लेकर आज दिनांक तक महज चार महीनों में ही कुल 38 हजार 750 मरीजों की विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जाँच कर लाभांवित की गयी है। इसके तहत विकासखण्ड बलौदाबाजार में 7 हजार 230 भाटापारा में 6 हजार 127 बिलाईगढ़ में 5 हजार 383 कसडोल में 6 हजार 645,पलारी में 6 हजार 330 और सिमगा 7 हजार 35 लोगों ने इस योजना का लाभ लिया है। जिले में इस योजना अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में छः हाट बाजार अर्थात कुल 36 स्थान चिन्हित किए गए हैं। जहाँ मोबाइल मेडिकल टीम जाकर अपनी सेवा प्रदान करती है। क्लीनिक में मलेरिया,डेंगू,हिमोग्लोबिन, रक्तचाप, शुगर, गर्भवती माताओं हेतु एचआईवी वीडीआरएल परिवार नियोजन संबंधित प्रेगनेंसी,नेत्र परीक्षण, कुष्ठ,टीबी की जांच की जाती है। एवं परामर्श दिया जाता है साथ ही जरूरी दवाइयों का भी वितरण होता है। कलेक्टर डोमन सिंह के प्रयास से प्रत्येक हाट बाजार में क्लीनिक के संचालन के लिए एक स्थायी कक्ष का भी निर्माण जिला खनिज न्यास निधि से किया जा रहा है। जिसमें से बलौदाबाजार के ग्राम पौसरी में यह तैयार भी हो चुका है। जिसका जल्द ही लोकार्पण मुख्यमंत्री के हाथों किया जाएगा।

संपादकीय

फ्रांस का साथ

भारत के हितों और सुरक्षा को लेकर फ्रांस ने जैसा सरोकार दिखाया है, उससे निश्चित ही दोनों देशों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की फ्रांस यात्रा के बाद यह साफ हो गया कि न सिर्फ रक्षा क्षेत्र, बल्कि आतंकवाद से लेकर हिंद प्रशांत क्षेत्र के मुद्दे तक पर फ्रांस भारत के साथ खड़ा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी की दो दौर की बैठकों के बाद जारी साझा बयान से भी इस बात की पुष्टि होती है। जर्मनी और डेनमार्क के बाद प्रधानमंत्री का फ्रांस दौरा भी इस तथ्य को रेखांकित करता है कि यूरोपीय देशों में भारत की न सिर्फ स्वीकार्यता बढ़ी है, बल्कि भारत को एक बड़ी शक्ति के रूप में भी देखा जा रहा है।

इस लिहाज से फ्रांस यात्रा की बड़ी उपलब्धि यह है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र के मुद्दे पर भारत और फ्रांस के बीच गहन चर्चा हुई और इस पर आपसी सहयोग के लिए मैक्रों ने सकारात्मक संकेत दिए। इससे पहले जर्मनी, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ भी हिंद प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक भागीदारी को लेकर अपना रुख साफ कर चुके हैं कि वे भारत के साथ हैं। कूटनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो हिंद प्रशांत के मुद्दे पर यूरोपीय देशों का समर्थन जुटाना भारत के लिए कम बड़ी उपलब्धि नहीं है।

दरअसल, आज हिंद प्रशांत क्षेत्र भौगोलिक और रणनीतिक लिहाज से बेहद संवेदनशील बन गया है। इस विशाल भूभाग में चीन की बढ़ती ताकत से सब चिंतित हैं। दक्षिण चीन सागर में तो पहले ही उसने अपने सैन्य अड्डे बना लिए हैं। चीन इन दोनों महासागरों में समुद्री मार्ग पर कब्जा करने की कोशिश में है। दुनिया का लगभग आधा समुद्री परिवहन इसी रास्ते होता है। कई जगहों पर तो चीन ने अपने मनमाने नियम लागू कर दिए हैं।

इसे लेकर अमेरिका के साथ उसका टकराव बढ़ता रहा है और कई बार युद्ध जैसी नौबत भी आ गई। इसीलिए आज इस मुद्दे पर जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देश भारत के साथ आ रहे हैं।सबको लग रहा है कि अगर चीन ने इस क्षेत्र में पैर जमा लिए तो आधी से ज्यादा दुनिया पर उसका कब्जा होने में देर नहीं लगेगी। अमेरिका और यूरोपीय देशों को अपने आर्थिक और सामरिक हिंतों की चिंता नहीं होती तो ये देश इस क्षेत्र में साझेदारी के लिए राजी क्यों होते? फिर, हिंद महासागर में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है। हकीकत यह है कि बिना भारत के सहयोग के इस क्षेत्र में चीन को रोक पाना दूसरे देशों के लिए आसान भी नहीं होगा। यह बात भारत भी समझता है और यूरोप के देश भी। भारत और फ्रांस के बीच लंबे समय से आपसी सहयोग का जो सिलसिला चला आ रहा है, उसका दायरा और व्यापक हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के दावे को समर्थन देकर फ्रांस ने भारत की अहमियत को रेखांकित किया है। फ्रांस यह भी चाहता है कि भारत को भी परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) का सदस्य बनाया जाए। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि जर्मनी ने भारत को समूह-सात की शिखर बैठक के लिए न्योता दिया है। फ्रांस भी इस समूह में है।

धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है दतिया

(विनय तिवारी)

4 मई का दिन दतियावासियों या कहें कि पीताम्बरा माई के भक्तों के लिये ऐतिहासिक दिन था। पहली बार मांई अपने लाखों भक्तों के बीच रथ में सवार हो दर्शन देने निकली थीं। भक्ति गीतों और जय माता दी गूंज हर लबों पर थीं। दतिया में हुआ यह धार्मिक अनुष्ठान अपनी गहरी छाप छोड़ गया और यह सवाल भी उठा गया कि क्या मांई का यह सिद्ध स्थल धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में अपनी ख्याति प्राप्त नहीं कर सकता। वैसे भी इन दिनों कई धार्मिक पर्यटन स्थलों को संजाने संवारने और उनको धार्मिक पर्यटन के रूप में तेजी से विकसित किये जाने का सिलसिला जारी है। जब कोई धार्मिक पर्यटन स्थल देश के पर्यटन के मानचित्र पर आ जाता है तो निश्चीय ही वह पर्यटन का प्रमुख केन्द्र बन जाता है। लोगों की आस्था का केन्द्र बन जाता है। इसके लिये सरकार, मंदिर के ट्रस्ट और जनभागीदारी की बहुत जरूरत होती है। पीताम्बरा शक्ति पीठ भले ही धार्मिक स्थल के रूप में विख्यात है लेकिन इसकी ख्याति के लिये अभी बहुत प्रयत्न किया जाना बाकी है। इस स्थल को धार्मिक पर्यटन और पर्यटकों के हिसाब से सुविधाएं जुटाना भी आवश्यक है। आज नैसर्गिक पर्यटन से ज्यादा लोग धार्मिक यात्रा करना पसंद करते हैं। पीताम्बरा पीठ मंदिर परिसर के विस्तार और उसके आस-पास ठहरने, खान-पान की आधुनिक सुविधाएं विकसित किये जाने की बहुत जरूरत है। क्योंकि पर्यटक कोई भी हो पैसे की चिन्ता नहीं करता वह तो वहां सुविधाएं चाहता है। प्रचार-प्रसार की अपेक्षा रखता है ताकि उसको सारी जानकारी एक क्लिक करते ही मिल जाये। मंदिर के महत्व, अनुष्ठानों की प्रमाणित जानकारी वह प्रकाशित फोल्डरों, पुस्तकों के माध्यम से जानना चाहता है। सीडी या अन्य माध्यमों से वह मांई के गुणगान सुनना चाहता है। जब किसी धार्मिक स्थल की महिमा दूर-दूर तक पहुंचती है तो वह स्थल एक धार्मिक व्यावसायिक केन्द्र का रूप भी ले लेता है। लोगों को रोजगार के साधन मुहैया होने लगते हैं। स्थानीय लोगों को रोजगार के लिये ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता है। पर्यटक ज्यादा आते हैं तो घर होम स्टे, लॉज होटलों में परिवर्तित होने लगती हैं। रेस्टोरेन्ट भी खुलने लगते हैं। मंदिर के तीज त्यौहार, उत्सवों का स्वरूप बड़ा रूप लेने लगता है। तिथि के हिसाब से हर साल अपने आप ही धार्मिक श्रद्धालु जुटने लगते हैं। पीताम्बरा शक्तिपीठ के लिये ख्यात दतिया वैसे भी रेलवे लाईन पर है। यहां श्रद्धालुओं को आने-जाने में दिक्कत भी नहीं होती है। पुरातत्व दृष्टि से भी दतिया समृद्ध है। दतिया को टूरिस्ट सर्किट से जोड़ा जा सकता है। क्योंकि आगरा, ग्वालियर, झांसी, ओरछा, खजुराहों एक टूरिस्ट सर्किट की तरह हैं। इस बीच दतिया को भी शामिल कर दिया जाये तो यहां का धार्मिक महत्व ओर भी बढ़ सकता है। मध्यप्रदेश शासन को मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थलों को भी मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से भी जोड़ना चाहिए। मध्यप्रदेश और देशवासियों के लिये मध्यप्रदेश के मंदिर भी आस्था के केन्द्र हैं। दतिया दर्शन योजना पर भी विचार किया जाना चाहिए ताकि मांई के दर्शन करने आया श्रद्धालु पीताम्बरा पीठ के अलावा पूरा दिन क्या-क्या घूमें, यह उसमें शामिल होना आवश्यठक है। जब धार्मिक पर्यटक किसी स्थल पर जाता है तो ठहरता है, प्रसाद खरीदता है, स्थानीय दुकानों से प्रचलित वस्तुये खरीदता है, होटलों में व्यंजनों का स्वाद लेता है। इस प्रक्रिया में स्थानीय दुकानदारों को रोजगार सुलभ होता है। किसी भी धार्मिक स्थल को उसके महत्व और वहां की संस्कृति से प्रसिद्धी दिलायी जा सकती है।

हर स्थल के व्यंजनों का स्वाद भी अलग होता है। यदि यहां आने वाले धार्मिक श्रद्धालुओं को दतिया के प्रसिद्ध व्यंजन परोसे जाये तो वह यहां की अलग छबि होकर प्रस्थान करेगा। जिस प्रकार बीते दिनों पीताम्बरा पीठ पर भक्तों का सैलाब उमड़ा, उसको दृष्टिगत लगता है कि इस स्थल को भव्य रूप दिया जा सकता है। पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिये प्रयास तो करने होंगे। लेखक-पर्यटन विशेषज्ञ है।

क्या कांग्रेस फिर से बड़ी ताकत बनेगी?

(दुष्यंत)

क्या देश ने आजादी दिलाने का कांग्रेस का अहसान चुका दिया है? सवाल अजीब है। कांग्रेस तब हर तरह की विचारधारा के लोगों का जमावड़ा थी। यह कांग्रेस के उसी विचार की प्रासंगिकता है कि चुनावी लोकतंत्र में अपने सबसे उदास दिनों में भी उसका जिक्र होता है, फिक्र होती है। यह फिक्र दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का इत्र भी है, जिसकी महक रहनी चाहिए। इतिहास के विद्यार्थी के रूप में इस बात को देखना समझना-चाहता हूं क्योंकि देश की सोच कुछ क्षणों, महीनों या सालों में नहीं बनती। सदियों में, हजारों सालों में भी राष्ट्र की चेतना या उपचेतन मस्तिष्क रूप लेता है। किसी दल की चेतना का भी कमोबेश यही मिजाज है।

लगभग 62 साल कांग्रेस के नेतृत्त्व में चले और सफल हुए उस स्वतंत्रता आंदोलन का नॉस्टेल्जिया और धन्यवाद भाव क्या सौ साल भी नहीं बच पाया? खैर, आजादी के बाद नए भारत या अपनी सरकार से जनता की उम्मीदें और अपेक्षाएं बहुत ज्यादा थीं, शायद कोई और भी देश संभालता तो भी जनता इतनी ही शिकायती रहती। दुनिया के इतिहास में ऐसे उदाहरण भी कम ही हैं कि आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने वाला समूह आजादी के बाद राजनीतिक दल के रूप में परिवर्तित हो और लंबे समय तक सबसे बड़ा प्लेयर या मुख्य प्लेयर्स में से एक बना रहे। इस लिहाज से कांग्रेस की निरंतरता और उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है।

ऐतिहासिक रूप से यह भी गौर किए जाने लायक है कि आजादी के बाद शायद यह दूसरा ही अवसर है कि शीर्ष नेतृत्व एक स्त्री हाथों में है। यानी इंदिरा गांधी के बाद सोनिया गांधी। इस प्रक्रियागत स्थिति के कारण, स्वरूप और परिणाम भी पुरुष नेतृत्व से कैसे अलग हो सकते हैं, राजनीतिशास्त्रियों के लिए शोध का विषय होना चाहिए। इसमें भविष्य के लिए रोचक संदेश और निष्कर्ष छुपे हो सकते हैं। कांग्रेस ने आजादी के बाद शून्य से इस देश को खड़ा किया। इस प्रक्रिया में कुछ भूलें, गलतियां भी हुई ही होंगी। तो क्या मानें कि जनता की नजर में देश को खड़ा करने से ज्यादा बड़ी वे गलतियां हो गई हैं? और देश उन्हें माफ करने के मूड में नहीं हैं?

आजादी के आंदोलन की जरूरत थी- आंदोलन का जनाधार व्यापक बनाना और इस लिहाज से कांग्रेस की जरूरत थी। तो रणनीतिक रूप से उसने विविधताओं को हवा नहीं दी, समानताओं को तरजीह दी। महादेश के नागरिकों की विविधताएं दरसअल उनकी निजताएं थीं, पहचानें थीं। उन निजताओं और पहचानों को अंग्रेजों के विरुद्ध एकल भारतीय पहचान में समाहित किया गया। यही कांग्रेस का डीएनए बन गया, जो आजादी के बाद भी जारी रहा, स्थायी भाव बन गया। निजताओं को संबोधित करने वाले नए दल बनते चले गए, उनकी चुनावी लोकतांत्रिक भूमिका धीरे-धीरे अलग-अलग रूप धरती गई।

बार-बार दोहराई जाने वाली बात है कि गांधी जी आजादी के बाद कांग्रेस को राजनीतिक दल के रूप में जारी रखने के खिलाफ थे। 1885 की बंबई की नीम-गरम सर्दियों में ए ओ ह्यूम द्वारा कांग्रेस की स्थापना के बाद जो डीएनए विकसित हुआ, वह राजनीतिक दल का नहीं था। इसका रूपांतरण जब स्वतंत्रता के बाद राजनीतिक दल में हुआ तो वह डीएनए उसमें कितना स्थानांतरित हुआ, यह सोचने या बहस का विषय हो सकता है। अमेरिका के प्रसिद्ध राजनीतिशास्त्री दंपती रुडोल्फ हर साल कुछ महीने जयपुर में रहने आते थे। जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर अपने पद्मिनी प्रीमियर 118 एनई में वह घूमते थे। एक बार कोई 15 साल पहले एक सेमिनार में जब चाय पर कांग्रेस को लेकर उनकी राय पूछी, तो बोले, 'कांग्रेस अपनी बुनियाद में राजनीतिक दल नहीं है, पर भारतीय लोकतंत्र के डीएनए में कांग्रेस घुलमिल गई है। मुझे यह निश्चित रूप से नहीं पता कि दल के रूप में हमेशा प्रासंगिक रहेगी या नहीं, पर भारतीय लोकतंत्र कांग्रेस के भाव से कभी अलग नहीं हो पाएगा।'

मुझे कांग्रेस के दो सबसे बड़े विघटन हरिपुरा कांग्रेस के बाद सुभाष बाबू के छोड़ने और इंदिरा गांधी द्वारा कांग्रेस तोड़कर कांग्रेस (आई) बनाने में दिखाई देते हैं। इनमें पहला उतना असरदार नहीं था, जितना दूसरा। राजतंत्र में भी जब हारे हुए साम्राज्य का एक युवा उत्तराधिकारी साम्राज्य वापस हासिल करना चाहता है, उसके लिए आसान नहीं होता। लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में रही पार्टी जब जनादेश के अप्रत्याशित न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुकी हो, फिर से सत्ता हासिल करना एक पहाड़ चढ़ने से भी ज्यादा दुष्कर हो जाता है। केवल सत्ता की मलाई के हिस्सेदार समर्थक, नेता तो छिटक ही जाते हैं, साथ खड़े होने के नैतिक बल को भी संगठित और एकत्रित करना कौन सा कम मुश्किल होता है।

1957 में सी राजगोपालाचारी ने लिखा था कि एक दल लंबे समय तक सत्ता में रहे, असंगठित लोगों, अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण समूहों के विरोध को दबाया जाता रहे, तो सरकार टोटेलीटेरियन हो ही जाती है। थोड़ा और फ्लैशबैक में चलते हैं। 1937 और 1946 में ब्रिटिश राज में आम चुनाव हुए। इसके नतीजों से ज्यादा अहम थी मुस्लिम लीग की हार। देश का मिजाज यह था कि मुस्लिम प्रतिनिधि कांग्रेस के टिकट पर ज्यादा जीते। मुस्लिम लीग को मुसलमानों के बड़े तबके ने अपना प्रतिनिधि दल नहीं माना।

कॉलिन्स और लेपियर जब 'फ्रीडम एट मिडनाइट' के लिए लॉर्ड माउंटबेटन का लंबा इंटरव्यू कर रहे थे, उसमें भारतीय नेताओं खासकर कांग्रेस के नेताओं के मतांतर और दृष्टिभेद को उन्होंने महसूस किया, जो एक नए बनते हुए देश के हालात को 'स्मूद' सत्ता हस्तातंरण में अलग तरह से उन्हें डील करने पड़ रहे थे। यह भारत नामक महादेश की विविधताओं का बोनसाई था। और यह स्थिति उस व्यक्ति की थी, जो यह भी महसूस करता था- 'इस वक्त मैं दुनिया का सबसे शक्तिशाली इंसान हूं।'

तो क्या कहा जा सकता है कि उस कांग्रेस और देश का हनीमून पीरियड बीत गया है? इसका जवाब भारतीय परीक्षा प्रणाली के अति लघुत्तरात्मक प्रश्न के रूप में असंभव है। तो इसे फिलहाल अनुत्तरित रखते हुए दूसरा पूरक प्रश्न जोड़ते हैं- क्या कांग्रेस फीनिक्स है? दोनों सवालों के जवाब हम सब भारतीयों को ढूंढने हैं! ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

सवाल ग्राहक की आर्थिक सुरक्षा का

(विनोद के. शाह)

भारतीय रिर्जव बैंक डिजिटलीकरण की नीति पर जोर तो देता है, लेकिन बैंक ग्राहकों को साइबर अपराध से बचाने के लिए उसने अब तक कोई प्रभावी व्यापक नीति नहीं बनाई है। ग्राहकों के व्यतिगत ब्योरे और उनके खाता संबंधी सर्वाधिक जानकारियां बैंकों और बीमा कंपनियों द्वारा ही दूसरों तक पहुंच रही हैं। मगर उन्हें सुरक्षित रखने में आरबीआइ, बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण ने विशेष रुचि नहीं दिखाई है।

भारत सरकार देश में वित्तीय लेनदेन को अधिकाधिक डिजिटल बनाने की कोशिश में जुटी है। इसके लिए शहरी ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्र के बैंकों, पोस्ट आफिसों के वित्तीय लेनदेन को भी डिजिटल किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के बैंक अब अपने अशिक्षित और कम पढ़े-लिखे ग्राहकों को भी डिजिटल लेनदेन करने का निर्देश दे रहे हैं।

स्थानीय बैंकों ने अब अपने नगद जमा निकासी के काउंटर कम कर दिए हैं। दस हजार तक की लेनदेन को नगद के बजाय एटीएम और मशीन से करने का दबाव डाला जा रहा है। मगर कम पढ़े-लिखे और अशिक्षित ग्राहकों को डिजिटल बैंक व्यवस्था से परिचित कराने का बैंकों और सरकार ने औपचारिकता के अलावा कोई प्रभावी इंतजाम नहीं किया है।

2018 में भारत सरकार द्वारा दिए डिजिटल इंडिया के नारे का जनून कुछऐसा है कि देश में डिजिटल बैंकिंग लेनदेन को प्रतिवर्ष तैंतीस फीसद की दर से बढ़ाया जा रहा है। वित्तवर्ष 2021-22 के फरवरी माह तक देश में 8.26 लाख करोड़ रुपए का डिजिटल वित्तीय लेनदेन हुआ, जो कि बीते वित्तवर्ष की तुलना में चार गुना अधिक है। भारतीय रिर्जव बैंक की ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने की सिफारिश के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में

नेटवर्किंग सुधार लाने, जीपीआरएस, पीएसटीएन नेटवर्क की प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंच बनाने के लिए संचार और वित्त मंत्रालय ने एड़ी-चोटी का दम लगा रखा है। केंद्र और राज्य सरकारें हितग्राहियों को सीधे लाभांवित करने के लिए बैंकिंग प्रणाली की मदद ले रही हैं।

मगर वित्तीय समावेशन पर हुए एक निजी संस्थान के सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई है कि देश के इकहत्तर फीसद हितग्राही, जिनमें ग्रामीण और कामगार मजदूर शामिल हैं, को बैंकिंग प्रणाली की साक्षरता बिल्कुल नहीं है। ये लोग दूसरों की मदद से बैंकिंग गतिविधियों का संचालन कर पा रहे हैं। इससे साइबर ठगी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। भारत सरकार के वित्तीय समावेशन योजना के अंतर्गत देश भर में खोले गए जीरो बैलेंस बैंक खाते, जिसमें सत्तर फीसद खाताधारी अशिक्षित ग्रामीण हैं, बैंक इन खाताधारियों को निशुल्क एटीएम प्रदान कर नगद काउंटर निकासी के बजाय क्योसेक सेंटरों से लेनदेन करने का दबाब बनाने लगे हैं। इसके ठीक विपरीत डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने वाले ग्राहकों से बढ़ती वित्तीय ठगी के आंकड़े अधिक चौकाने वाले हैं।

बीते चार बरसों में देश के ढाई लाख लोगों से सात सौ नब्बे करोड़ की ठगी के मामले दर्ज किए गए हैं। ये वे मामले हैं, जिनकी पुलिस को सूचना दी गई। जबकि प्रतिवर्ष पच्चीस फीसद ऐसे मामले भी आ रहे हैं, जिनकी शिकायत ही दर्ज नहीं हो पा रही है। वित्तवर्ष 2018-19 से 2021-22 के बीच चार वर्षों के दौरान लोकसभा में प्रस्तुत राज्यवार आंकड़ों में देश के सर्वाधिक शिकार दस राज्यों- महाराष्ट में 99,339 लोगों से 252.3 करोड़ रुपए, हरियाणा में 26,394 लोगों से 82.24 करोड रुपए, एनसीआर में 25,555 लोगों से 80.75 करोड़ रुपए, उप्र में 15,518 लोगों से 42.88 करोड़ रुपए, कर्नाटक में 12,628 से 56.45 करोड़, गुजरात में 10,881 से 28.08 करोड़, तेलांगाना में 7,303 से 22.4 करोड़, पश्चिम बंगाल में 4,276 से 35.38 करोड़ और राजस्थान में 3,739 लोगों से 19.14 करोड़ रुपए की साइबर ठगी हुई है।

साइबर अपराधियों के शिकार सभी श्रेणी के खाताधारी हैं। इसमें बुर्जग, महिलाओं के अलावा युवा, सरकारी कर्मचारी सहित देश के आइएएस अधिकारी तक शामिल हैं। ओटीपी, हैंकिंग, लाटरी, जाब स्कैम, सरकारी योजनाओं, निजी कंपनियों, बैंक और बीमा कंपनियों की फर्जी वेबसाइट, फेक कस्टमर केयर द्वारा केवाईसी, बीमा स्कैम और फर्जी एप्स के माध्यम से अधिकांश लोगों को शिकार बनाया गया है। गर इसके बावजूद साइबर अपराध रोकने में केंद्र-राज्य सरकारों सहित बैंकों और बीमा कंपनियों की भूमिका ग्राहक के हित में प्रभावी नहीं हो पाई है।

यूरोपीय मुल्कों से हमारी ताजा नजदीकी

जिस समय यूक्रेन संकट को लेकर नई दिल्ली और पश्चिमी देशों के बीच सतही तौर पर मतभेद दिख रहे हैं, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जर्मनी, डेनमार्क व फ्रांस का दौरा मुनादी कर रहा है कि भारत और यूरोप अपने सामरिक संबंधों को बेपटरी करने के बजाय उसकी मजबूती के पक्षधर हैं। यह तय था कि तीनों देशों में यूक्रेन मुद्दे को उठाया जाएगा और ऐसा हुआ भी, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह भले सार्वजनिक तौर पर रूस की निंदा नहीं कर रहा, लेकिन वह मानता है कि इस युद्ध से सभी देशों को नुकसान होगा और भारतीय हितों को भी चोट पहुंचेगी। संभवत-इसीलिए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस जंग में कोई विजेता बनकर नहीं उभरेगा।

(हर्ष वी पंत, प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज लंदन)

जिस समय यूक्रेन संकट को लेकर नई दिल्ली और पश्चिमी देशों के बीच सतही तौर पर मतभेद दिख रहे हैं, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जर्मनी, डेनमार्क व फ्रांस का दौरा मुनादी कर रहा है कि भारत और यूरोप अपने सामरिक संबंधों को बेपटरी करने के बजाय उसकी मजबूती के पक्षधर हैं। यह तय था कि तीनों देशों में यूक्रेन मुद्दे को उठाया जाएगा और ऐसा हुआ भी, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह भले सार्वजनिक तौर पर रूस की निंदा नहीं कर रहा, लेकिन वह मानता है कि इस युद्ध से सभी देशों को नुकसान होगा और भारतीय हितों को भी चोट पहुंचेगी। संभवत-इसीलिए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस जंग में कोई विजेता बनकर नहीं उभरेगा, और भारत जैसे देशों को, जो स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था और अपने लोगों की आर्थिक खुशहाली के हिमायती हैं, इस लड़ाई में नुकसान उठाना होगा। मतलब साफ था कि हम इस युद्ध को किसी तरह से जायज नहीं मानते और कूटनीति व बातचीत के जरिये इसका समाधान चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की तीन दिवसीय यात्रा जर्मनी से शुरू हुई। दूसरे विश्व युद्ध के बाद अपने कदम को पीछे खींचने वाला जर्मनी एक बार फिर खुद को एक बड़ी ताकत के रूप में खड़ा करना चाहता है। जर्मनी की इस मुखरता का फायदा भारत को हो सकता है। फिर, जर्मनी उन देशों में से एक है, जिसने हिंद प्रशांत क्षेत्र को लेकर अपनी रणनीति बनाई है। चूंकि यूरोपीय देश इस क्षेत्र को काफी अहम मानते हैं, इसलिए हिंद प्रशांत में आपसी समन्वय को लेकर भारत और जर्मनी की सहमति इस यात्रा की एक बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। जर्मनी यूरोपीय संघ का भी एक अहम देश है, इसलिए वह इसको नीतिगत आकार देने की क्षमता रखता है, जिसका लाभ भारत को हो सकता है।

यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि जर्मनी की नई सरकार ने अंतर-सरकारी परामर्श की जो पहली बैठक की, उसमें एक बार फिर नई दिल्ली की अहमियत स्वीकार की गई। भारत और जर्मनी, दोनों देश रूस पर निर्भरता को लेकर भी एकमत हैं। जहां जर्मनी बहुतायत में तेल और गैस रूस से मंगाता है, तो वहीं हमारे ज्यादातर रक्षा उत्पाद मास्को से आते हैं। यह समानता दोनों देशों के हित में है। इसके अलावा, दोनों देश जलवायु परिवर्तन से जुड़े मसलों पर भी आपसी सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिखे। जर्मनी के साथ हमने 'माइग्रेशन ऐंड मोबिलिटी पार्टनरशिप' समझौता भी किया, ताकि आईटी पेशेवरों को इसका लाभ मिल सके। दोनों देशों को इसकी सख्त जरूरत थी, क्योंकि जर्मनी तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाला देश है और उसको पेशेवर नौजवानों की जरूरत है, जबकि भारत अपनी सेवा का दायरा बढ़ाना चाहता है। जाहिर है, इस समझौते के दूरगामी परिणाम होंगे और जर्मनी के साथ हमारा 'पीपुल-टु-पीपुल' रिश्ता मजबूत होगा।

प्रधानमंत्री का अगला पड़ाव डेनमार्क था, जहां दो चीजें महत्वपूर्ण घटित हुईं। पहली, पिछले कुछ वर्षों में हमारी दोस्ती घनिष्ठ हुई है और द्विपक्षीय कूटनीतिक सहयोग भी तेजी से आगे बढ़े हैं। वहां प्रवासी भारतीयों का एक बड़ा तबका बसता है, जिसको प्रधानमंत्री ने संबोधित भी किया। जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकी संबंधी नवाचारों को लेकर डेनमार्क के साथ हमारे जो समझौते हैं, उनको आगे बढ़ाने की कोशिश इस यात्रा में हुई। अक्षय ऊर्जा में भी डेनमार्क की तकनीक काफी उन्नत मानी जाती है। ऐसे में, यह भारत जैसे देश के लिए अहम है कि वह डेनमार्क के साथ मिलकर आगे बढ़े। प्रधानमंत्री ने ठीक यही करने का प्रयास किया।

दूसरी बात 'नॉर्डिक', यानी उत्तरी यूरोपीय देशों से जुड़ी है, जिनके साथ भारत ने डेनमार्क को केंद्र में रखकर वार्ता की। इन देशों में डेनमार्क के अलावा नॉर्वे, स्वीडेन, फिनलैंड और आइसलैंड शामिल थे। नॉर्डिक देशों को हम अपनी विदेश नीति में बहुत ज्यादा अहमियत नहीं देते थे, लेकिन इंडिया-नॉर्डिक कौंसिल की इस दूसरी बैठक में भारत ने संजीदगी से भागीदारी की। यह बताता है कि नई दिल्ली अब क्षेत्रीय नजरिये को तवज्जो देने लगी है। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी था, क्योंकि इन सभी की प्राथमिकताएं एक हैं और तकनीकी क्षमता भी कमोबेश समान।

रही बात फ्रांस की, तो वह हमारा एक सबसे अहम कूटनीतिक सहयोगी है। यूक्रेन मसले पर भी दोनों देशों के रुख समान हैं। आज नरेंद्र मोदी और इमैनुएल मैक्रों ही ऐसे नेता हैं, जो व्लादिमीर पुतिन से सीधे फोन पर बात कर सकते हैं। दोनों देश मानते हैं कि रूस के साथ बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए, इसलिए भारत और फ्रांस का अंतरराष्ट्रीय राजनीति को लेकर नजरिया काफी अहम माना गया है। अच्छी बात यह रही कि दोनों देश अपने-अपने रुख पर टिके रहें। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी संकेत दिया कि मैक्रों की फिर से ताजपोशी भारतीय विदेश नीति के लिए सुखद है और इससे द्विपक्षीय रिश्तों में कहीं ज्यादा गरमाहट आएगी।

कुल मिलाकर, तीन मुद्दे ऐसे रहे, जिनसे इस यात्रा की अहमियत समझी जा सकती है। पहला, यूक्रेन के मसले पर भारत का रुख कहीं ज्यादा स्पष्ट तरीके से ध्वनित हुआ। फ्रांस और जर्मनी यूरोप के महत्वपूर्ण देश हैं, और दोनों जगहों पर भारत ने अपना पक्ष रखा। इससे यूरोपीय संघ की नीतियां भी प्रभावित हो सकती हैं। दूसरा, यूरोपीय देश हिंद प्रशांत क्षेत्र को एक अहम केंद्र मानते हैं और यहां अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहते हैं। खासकर चीन को लेकर उनकी शंकाएं भारत के लिए मुफीद हैं, जिसका फायदा प्रधानमंत्री मोदी ने उठाया भी। यूरोपीय देशों को एक ऐसे सहयोगी की दरकार है, जो समग्र विकास का हिमायती हो, न कि सिर्फ अपनी तरक्की का। भारत ने इसमें अपनी भूमिका स्पष्ट की है। भारत ने यह भी साफ कर दिया कि पश्चिम की प्राथमिकताओं में उसकी भी भागीदारी है, खासकर जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों में।

तीसरा मसला है, आपसी सामंजस्य बढ़ाना, विशेषकर सुरक्षा, हिंद प्रशांत, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक व्यवस्था आदि से जुड़े मुद्दों पर। एक वक्त था, जब भारत और इन देशों के बीच खाई थी, लेकिन आज न सिर्फ यह खाई पट चुकी है, बल्कि आपसी रिश्तों में एक गति भी आ गई है। जाहिर है, भारत के पास ढेरों अवसर हैं, और शायद ही वह इनमें चूकना चाहेगा। इसमें यूरोपीय देशों का साथ कितना अहम है, यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दौरे में जाहिर किया।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण केले की मांग देश एवं दुनिया में बढ़ी है, जिससे देश के कई राज्यों के किसान केला उत्पादन का कार्य कर रहे हैं। देश के कई राज्यों में किसानों के लिए यह महत्वपूर्ण फसल है। केले की खेती साल भर चलती है, पिछले कुछ वर्षों से केले के पेड़ों पर विभिन्न प्रकार के रोग तथा कीट लगने लगे हैं। जिसके कारण फसल तथा उत्पादन दोनों प्रभावित होते हैं। केले की खेती का क्षेत्रफल बढ़ने के साथ ही इसमें कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई है, जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है। ऐसे में केला उत्पादक किसानों को वैज्ञानिक तरीक़ों से खेती कर अधिक लाभ लेना चाहिए।

अधिक पैदावार के लिए केले की खेती करने वाले किसान करें यह काम

किसानों को केले की अधिक पैदावार के लिए उसके क्षेत्र के अनुसार अनुशंसित प्रजाति का चयन ही करना चाहिए, साथ ही रोपाई के लिए जो भी आवश्यक सामग्री है वह पौध सामग्री किसी विश्वसनीय स्त्रोत से ही लेना चाहिए। इसके अलावा पौध सामग्री उपचारित करके ही अनुशंसित समय एवं दूरी पर रोपाई करना चाहिए। किसान समाधान केले की रोपाई के बाद प्रतिमाह केला किसान क्या करें इसकी जानकारी लेकर आया है:-

प्रथम माह में यह करें केला किसान

पौध लगाने के बाद इसके चारों तरफ की मिट्टी अच्छी तरह से दबा दें, जिससे अच्छा एवं शीघ्र विकास हो।

बिना अंकुरित या सड़े हुए सकर्स की जगह गैप फिलिंग की प्रक्रिया कर प्रति इकाई पौध संख्या सुनिश्चित कर लें।

हरी खाद के लिए लोबिया या ढैंचा के बीच की बुआई इस की शुरुआत में करें।

अतिरिक्त आय के लिए कम अवधि वाली फसलें जैसे मूंग, उड़द एवं सब्जियों की खेती अंत- फसल के रूप में ले सकते हैं। यह ध्यान रहे कि टमाटर, मिर्च एवं क्दुवर्गीय फसलें अंत-फसल के रूप में न लें।

दित्तीय माह में यह करें केला किसान

खरपतवार नियंत्रण के लिए दो पंक्तियों के बीच गुडाई करें एवं मिट्टी चढा दें।

फ्यूजेरियम विल्ट (उकठा) रोग से बचने के लिए सुरक्षात्मक छिड़काव के रूप में 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव इस प्रकार करें कि पौध के साथ-साथ जड़ के पास मिट्टी में भी फफुन्द्नाश्क पहुँच जाए।

30 ग्राम ट्राईकोडर्मा विरिडी 1 किलोग्राम कम्पोस्ट या एफवाईएम में मिलाकर पौधों के चारों तरफ मिट्टी में मिला दें। जिससे उकठा की समस्या को रोका जा सके।

रोपाई के 30 दिनों के बाद 60 ग्राम यूरिया प्रति पौधा की दर से पौधों के चारों तरफ मिट्टी में मिला दें।

तीसरे महीने में यह काम करें केला किसान

यदि सूत्रकृमि की समस्या दिखाई पड़े तो 20-25 ग्राम कार्बोफ्यूरान प्रति पौधे की दर से पौधे के चारों तरफ मिट्टी में मिला दें।

खेत की हल्की गुडाई कर खरपतवार का नियंत्रण करते रहें।

पांचवे महीने में यह काम करें केला किसान

रोपाई के 125 दिनों बाद उर्वरक की तीसरी खुराक में यूरिया 60 ग्राम + सुपर फास्फेट 125 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें।

सूखी एवं ग्रसित पत्तियों को निकालकर जला दें या नष्ट कर दें।

खुदाई एवं खरपतवार की सफाई सामान्य रूप से करते रहें।

सिगाटोका रोग की समस्या से बचने के लिए दूसरा छिडकाव रोपाई के 150 दिनों के बाद करें, जिसमें प्रोपिकोनाजोल 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

छठवें महीने में क्या करें केला किसान

गुड़ाई कर पौधों पर मिट्टी चढ़ा दें।

सूखी एवं ग्रसित पत्तियों को निकालकर जला दें या नष्ट करने की प्रक्रिया करते रहें।

रोपाई के 165 दिनों बाद उर्वरक की चौथी खुराक में 60 ग्राम यूरिया + 100 ग्राम पोटाश प्रति पौधा प्रयोग करें।

पीली पड़ रही पत्तियां लौह की कमी का लक्षण है। इसी कमी को दूर करने के लिए 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट + 1 प्रतिशत यूरिया के साथ चिपकने वाले पदार्थ का घोल बनाकर छिडकाव करें।

जिंक की कमी को पूरा करने के लिए 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट + वेंटिंग एजेंट के घोल का छिड़काव करें। बोरान की कमी को पूरा करने के लिए 0.5 प्रतिशत बोरेक्स का छिडकाव करें।

सिंगाटोका रोग की समस्या से बचने के लिए तीसरा छिड़काव रोपाई के 175 दिनों बाद करें। इसमें कम्पेनियम 1 ग्राम प्रति लीटर पानी मिलाकर छिड़काव करें।

उर्वरक की दूसरी खुराक रोपाई के 75 दिनों बाद दें, जिसमें यूरिया 60 ग्राम + सुपर फास्फेट 125 ग्राम + सूक्ष्म पोषक तत्व 25 ग्राम + मैग्नीशियम सल्फेट 25 ग्राम प्रति पौधा उपयोग करें।

चौथे महीने में यह काम करें केला किसान

फास्फोबैक्टोरिया 30 ग्राम+ट्राईकोडर्मा विरिडी 30 ग्राम 5 किलोग्राम एफवाईएम के साथ मिलाकर प्रति पौधा प्रयोग करें। यह ध्यान रहे कि कम से कम दो सप्ताह का अंतराल रासायनिक खाद एवं जैव उर्वरक के बीच होना चाहिए।

30 से 40 दिनों के अंतराल पर मातृ पौधे के आस-पास उग रहे सकर्स की कटाई सामान्य रूप से करते रहें। कटे भाग के मध्य पर 2-3 मि.ली. केरोसिन तेल डाल दें।

खेत का निरिक्षण करते रहें, यदि एक भी पौधा विषाणु से ग्रसित दिखाई पड़ता है, तो उसे अविलंब उखाड़कर नष्ट कर दें एवं कीटनाशक का छिडकाव कर रोगवाहक कीट को नियंत्रित करें।

फफूंदजनित और सिगाटोका रोग की समस्या से बचने के लिए पहला छिडकाव रोपाई के 120-125 दिनों बाद करें। जिसमें कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

नवें महीने में क्या करें केला किसान

रोपाई के 255 दिनों बाद उर्वरक की छठी खुराक में यूरिया 60 ग्राम एवं 100 ग्राम पोटाश प्रति पौधा डालें।

पोटेशियम सल्फेट का दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के 30 दिनों बाद करें।

केले की खेती को तेज हवा से बचाने के लिए दो बांसों को आपस में बांधकर कैंची की तरह फलों के गुच्छों के बीच से लगाकर सहारा देते हैं।

सिगाटोका रोग की समस्या से बचने के लिए छठा छिड़काव रोपाई के 250 दिनों बाद करें, जिसमें कम्पेनियां 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

पौधों में गहर (घौद) आ जाने पर वे एक तरफ झुक जाते हैं। यदि उनका झुकाव पूर्व या दक्षिण की तरफ होता है, तो फल तेज धुप से खराब हो जाते हैं। अतः केले के अयन को पौधे की ऊपर वाली पत्तियों से ढक देना चाहिए।

अयन (घड) में कुछ अपूर्ण हत्थे होते है, जो गुणवत्तायुक्त फल उत्पादन में बाधक होते हैं। ऐसे अपूर्ण हत्थों को अयन से अविलंब काटकर हटा देना चाहिए।

सातवें महीने में क्या करें केला किसान

रोपाई के 210 दिनों बाद उर्वरक की पांचवी खुराक में यूरिया 60 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें।

सूखी पत्तियों की सफाई करते रहें एवं सिगाटोका रोग की समस्या से बचाव के लिए चौथा छिड़काव रोपाई के 200 दिनों बाद करें। इसमें ट्राइडमार्फ़ 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

मातृ पौधे के पास उग रहे सकर्स की कटाई की प्रक्रिया 25 से 30 दिनों के अंतराल पर करते रहें।

आठवें महीने में क्या करें केला किसान

फूल आने के बाद केवल एक स्वस्थ सकर्स को छोड़कर बाकी सभी सकर्स को पहले रैटून फसल के रूप में बढने दें

गहर (घौद) में फल पूर्ण रूप से लग जाने के बाद अग्र भाग यानी नर पुष्प को काटकर अलग कर दें।

20 ग्राम पोटेशियम सल्फेट प्रति लीटर पानी में घोलकर गहर (घौद) पर अच्छी तरह से छिड़काव करें, ऐसा करने से फलों की बढवार एवं गुणवत्ता अच्छी होगी।

सिगाटोका रोग की समस्या से बचने के लिए पांचवा छिड़काव रोपाई के 230 दिनों बाद करें, जिसमें प्रोपीकोनाजोल 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

दसवें महीने में क्या करें केला किसान

रोपाई के 300 दिनों बाद उर्वरक की सातवीं खुराक में यूरिया 60 ग्राम एवं पोटाश 100 ग्राम प्रति पौधा उपयोग करें।

शाहीन बाग में बुलडोजर : सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से मना किया, कहा-

अदालत को राजनीति का मंच मत बनाओ

नई दिल्ली

शाहीन बाग में मामले में दखल देने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि कोई भी प्रभावित पक्ष अदालत के समक्ष नहीं है और याचिका एक राजनीतिक दल द्वारा दायर की गई है। इस अदालत को इन सब के लिए एक मंच मत बनाओ। कोर्ट ने बुलडोजर से प्रभावित होने वाले लोगों से हाईकोर्ट जाने को कहा है।

अतिक्रमण हटाने पहुंचा था बुलडोजर:- दिल्ली में करीब दो साल पहले नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन से देशभर में सुर्खियों में आया शाहीन बाग आज फिर हल्ला-हंगामे के दौर में है। वजह- ख्ष्ठ का बुलडोजरज यहां आज से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाना था। इसके लिए ख्ष्ठ के बुलडोजर जैसे ही शाहीन बाग पहुंचे, हंगामा शुरू हो गया। लोगों के विरोध और गहमागहमी के बीच दोपहर करीब 12.30 बजे ख्ष्ठ के बुलडोजर शाहीन बाग से वापस लौट गए। जिसके बाद लोगों ने यहां तिरंगा लहराया।

पुलिस फोर्स न मिलने से रुकी थी कार्रवाई:- इससे पहले, पुलिस फोर्स न मिलने की वजह से सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होने

को लेकर संदेह बना हुआ था, लेकिन करीब 10.30 बजे दिल्ली पुलिस ने फोर्स मुहैया कराने पर रजामंदी दे दी और 11 बजे के लगभग ख्ष्ठ के बुलडोजर शाहीन बाग की मुख्य सड़क पर पहुंच गए।

कहां-कहां चलना है MCD के बुलडोजर?

दिल्ली पुलिस से फोर्स मिलने के बाद दक्षिण दिल्ली ख्ष्ठ ने अगले 5 दिनों तक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाने की तैयारी पूरी कर ली है। इसके मुताबिक, आज यानी 9 मई को दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जहांगीरपुरी में रोकना पड़ा था ख्ष्ठ का बुलडोजर

इससे पहले, जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के दिन हुई हिंसा के बाद वहां भी बुलडोजर से अतिक्रमण हटाया गया था। हालांकि, तब कार्रवाई बहुत ज्यादा लंबी नहीं चल सकी थी, क्योंकि इस पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश आ गया था। कोर्ट ने फिलहाल जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर स्टे लगाया है।

बुलडोजर पर चढ़ी महिलाएं

इसके पहले कार्रवाई के विरोध में लोग बुलडोजरों के सामने लेट गए। कुछ महिलाएं बुलडोजर पर चढ़ गईं। वहीं, कुछ जगहों पर लोग सड़कों पर ही धरने पर बैठ गए। हंगामा बढ़ते देख पुलिस ने लोगों को वहां से हटाया। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया। इसके बावजूद कार्रवाई का विरोध जारी रहा। अफसरों ने कहा कि फिलहाल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोक दी गई है। इधर, सुप्रीम कोर्ट में भी आज शाहीन बाग में अतिक्रमण विरोधी मुहिम के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई 2 बजे होगी।

9 मई : शाहीन बाग जी ब्लाक से जसोला नहर और कालिंदी कुंज पार्क
10 मई : एनएफसी बोधि धर्म मंदिर नजदीक गुरुद्वारा रोड
11 मई : मेहरचंद मार्केट, लोधी कालोनी, साईं मंदिर और जेएलएन मेट्रो स्टेशन
12 मई : इस्कान मंदिर, धीरसेन मार्ग, कालका देवी मार्ग
13 मई : खाड़ा कालोनी नियर कालिंदी कुंज

विक्ट्री डे पर बोले पुतिन-

NATO रूस पर हमला करने की तैयारी कर रहा था; इसलिए किया यूक्रेन पर हमला

कीव

यूक्रेन में चल रही जंग के बीच रूस आज अपना 77वां विजय दिवस मना रहा है। इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देश क्रीमिया सहित रूस पर आक्रमण की तैयारी कर रहे थे। इसलिए यूक्रेन पर हमला करना जरूरी हो गया था। विक्ट्री डे पर लोगों को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा- नाटो हमारी सीमा पर खतरा पैदा करना चाहता था। रूसी सेना यूक्रेन में अपनी मातृभूमि की रक्षा कर रही है। रूसी सेना ने पश्चिमी देशों की नीतियों के खिलाफ सही समय पर और आवश्यक जवाबी कार्रवाई की है। दूसरी तरफ, रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए अमेरिका, ज्ञ-7 देशों और यूरोपियन यूनियन ने प्रतिबंधों का दायरा बढ़ा दिया है। रूसी अर्थव्यवस्था को झटका देने के लिए मॉस्को से ऑयल इंपोर्ट बैन करने की बात कही गई। हालांकि, इसके लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है।

यूक्रेनी सेना का दावा है कि उसने 8 मई को पूर्वी यूक्रेन में 190 रूसी सैनिकों को हरा दिया।

लुहान्स्क में रूसी सेना की गोलीबारी की वजह से लोगों को निकालने का सिलसिला थम गया।

मारियुपोल स्टील प्लांट से निकाले गए 177 लोग सुरक्षित जपोरिजिया पहुंच गए हैं।

बाइडेन ने जेलेंस्की को दिया मदद का भरोसा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को और मदद का भरोसा दिया। अमेरिका ने अब तक 2600 से ज्यादा रूसियों को वीसा देने से इनकार किया। इसके साथ ही रूस के तीन 3 सरकारी चैनलों पर बैन लगाया है। कोई अमेरिकी नागरिक रूसी कंपनियों को किसी भी तरह की सर्विस नहीं दे सकेगा। रूस के प्रमुख बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ किसी भी प्रकार के लेन-देन पर रोक रहेगी। रूस से इंपोर्टेड लकड़ी के समान, पंखे, वेंटिलेशन सामान और अन्य कई इलेक्ट्रिक समान को भी बैन लिस्ट में डाला गया है।

फिर विवादों में राणा दंपती:शर्तें तोड़ लगातार मीडिया से बात करने पर अदालत ने पूछा- क्यों न रद्द कर दी जाए दोनों की जमानत

नई दिल्ली

राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के 13 दिन बाद जमानत पर रिहा हुईं अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। 50 हजार के मुचलके पर रिहा हुए राणा दंपती को लगातार मीडिया से बात करने पर मुंबई सेशंस कोर्ट से फटकार लगी है। अदालत ने एक नोटिस जारी कर दोनों से पूछा है कि क्यों न उनकी जमानत अर्जी को रद्द कर दिया जाए। सरकारी वकील प्रदीप घरात ने दोनों पर जमानत की शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। बता दें कि दो दिन मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में रहने के बाद

रविवार को वे डिस्चार्ज हुईं तो बाहर निकलने के दौरान उन्होंने फिर से मीडियाकर्मियों से बात की और राज्य सरकार को ललकारा था। इसके बाद आज दिल्ली रवाना होने से पहले भी दोनों ने मीडिया से बात की थी। इसी को आधार बनाकर सरकारी वकील ने उनकी जमानत को रद्द करने की अर्जी कोर्ट में दायर की है।

लोकसभा स्पीकर से मिलने दिल्ली पहुंचे राणा दंपती:- राणा दंपती कुछ देर पहले मुंबई से दिल्ली पहुंचे हैं। वे आज लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से मुलाकात करेंगे। इसके अलवा उनका केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। दिल्ली जाने से पहले मीडिया से बात करते हुए राणा दंपती ने फिर एक बार ष्टरू उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। रवि राणा ने आरोप लगाया कि राज्य में बहुत सारी समस्याएं हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को हनुमान चालीसा पढ़ने में समस्या नजर आ रही है। एक महिला को अपमानित करना उन्हें सबसे बड़ा काम नजर आ रहा है।

हमारे खिलाफ बदला निकाल रही है सरकार:- रवि राणा ने आगे कहा कि मुंबई में मेरा एक ही फ्लैट है, संजय राउत, अनिल परब और उद्धव ठाकरे की तरह मेरे कई घर नहीं है। BMC के लोगों से मैं यह कहना चाहता हूं कि 15 साल पहले यह बिल्डिंग बनी है, उद्धव ठाकरे ऑनलाइन के जरिए ढाई साल से काम कर रहे है वो भी मेरा फ्लैट ऑनलाइन देख सकते हैं।

दाऊद के करीबियों पर एनआईए के छापे

माहिम और हाजी अली दरगाह के ट्रस्टी समेत तीन हिरासत में, इनमें छोटा शकील का साला भी

नई दिल्ली

भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबियों पर नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी, यानी एनआईए ने रेड की है। मुंबई में कुल 20 ठिकानों पर एक्शन जारी है। इसके दायरे में दाऊद का गुर्गा छोटा शकील, जावेद चिकना, टाइगर मेनन, इकबाल मिर्ची, दाऊद की बहन हसीना पारकर से जुड़े लोग और उसके रिश्तेदार शामिल हैं। रेड के दौरान एनआईए ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए माहिम और हाजी अली दरगाह के ट्रस्टी सुहैल खंडवानी को कस्टडी में लिया है। सुहैल खंडवानी टचवुड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक हैं। नवाब मलिक के बेटे फराज मलिक भी 2006-2016 तक उसी फर्म में निदेशक थे। इस कंपनी में फराज के अलावा, फारूक और जकारिया दरवेश भी पार्टनर हैं। एनआईए की टीम इनसे भी पूछताछ कर सकती है। फराज को छोड़कर सभी एसोसिएट हाई प्रेशर टेक्नोलॉजी के बोर्ड में भी हैं। 150 करोड़ रुपये की बैंकिंग धोखाधड़ी के लिए सीबीआई द्वारा इस फर्म की भी जांच की जा रही है। टीम मुंबई के गोवा वाला कंपाउंड में रेड कर रही है। इसी जगह पर महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक का घर है। मलिक को दाऊद की बहन हसीना पारकर से जमीन खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

बीएसएफ ने मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन : अमृतसर में सर्च के दौरान खेतों में पड़ा मिला, 74 करोड़ की हेरोइन बरामद

पंजाब। पंजाब के अमृतसर में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने रविवार की रात पाकिस्तानी तस्करों की बड़ी कोशिश को नाकामयाब किया है। पाकिस्तान तस्करों की तरफ से भारतीय सीमा में भेजे गए ड्रोन को तो बीएसएफ ने मार गिराने में सफलता हासिल की ही है, इसके अलावा 74 करोड़ रुपए की हेरोइन को भी जब्त कर लिया है। बीएसएफ को यह सफलता अमृतसर सेक्टर में मिली है। रात के समय बीएसएफ के जवान गश्त पर थे। मध्यरात्री के समय दओके व भैरोवाल के बीच पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन को भारतीय सरहद में भेजा, लेकिन जवानों ने ड्रोन की आवाज सुनी और उसकी तरफ फायर करना शुरू कर दिया। इसी दौरान जवानों की गोली ड्रोन को लगी और वे नीचे खेतों में जा गिरा। इसके बाद रात के समय में ही बीएसएफ ने खेतों में सर्च शुरू कर दी। कुछ समय बाद ही जवानों ने चाइना मेड क्वाडकॉप्टर डीजेआई मैट्रिस-300 ड्रोन को खेतों से बरामद कर लिया।

ड्रोन के साथ बंधा था बैग:- पाकिस्तान से आए ड्रोन ने अभी भारत में खेप को गिराना था, लेकिन उससे पहले ही वे बीएसएफ जवानों की नजर में आ गया। जवानों को ड्रोन के साथ एक काले रंग का बैग मिला। तुरंत बीएसएफ के जवानों ने इसकी सूचना अधिकारियों को दी।

10.670 किग्रा हेरोइन थी बैग में:- बीएसएफ के अधिकारियों ने जब बैग को खोला तो उसमें एक बोरी मिली। जिसे खोला तो पीले रंग की टेप में 9 पैकेट बंधे हुए थे। बीएसएफ ने सभी पैकेट्स को लेकर जांच शुरू कर दी। सभी पैकेट्स में से 10.670 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई। इंटरनेशनल मार्केट में हेरोइन की खेप का दाम तकरीबन 74 करोड़ रुपए आंका जा रहा है। अप्रैल-मई महीने में बीएसएफ की तरफ से पकड़ी गई यह 12वीं खेप है।

इस बार मस्क का सीरियस ट्वीट:पुतिन के करीबी ने दी धमकी, तो मस्क बोले- मेरी रहस्यमय मौत न हो जाए...

नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर आदमी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क आए दिन कोई न कोई ट्वीट करके लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच ही लेते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सीरियस ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने अपनी रहस्यमय परिस्थितियों में मौत होने की बात कही है। मस्क का यह ट्वीट रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के सहयोगी के धमकी भरे बयान के बाद सामने आया है। मस्क ने लिखा कि इफ आइ डाई अंडर मिस्टरिअस सरकमस्टान्सेस, इट्स बीन नाइस नोइंग या यानी अगर मैं रहस्यमय परिस्थितियों में मर जाता हूं, यह जानकर अच्छा लगा।% इससे कुछ समय पहले उन्होंने रोस्कोस्मोस के डायरेक्टर जनरल दिमित्री ओलेगोविच रोगोजिन का रूसी मीडिया को दिया गया बयान शेयर किया। इसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर

पुतिन के करीबी रोगोजिन ने मस्क को यूक्रेनी सैनिकों को आर्मी कम्युनिकेशन इक्विपमेंट उपलब्ध कराने के लिए धमकी दी। रोस्कोस्मोस के प्रमुख ने कथित तौर पर रूसी मीडिया को बताया कि 36वीं यूक्रेनी मरीन ब्रिगेड, कर्नल दिमित्री कोर्म्यानकोव के पकड़े गए चीफ ऑफ स्टाफ की गवाही से पता चला है कि मस्क का सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन मारियुपोल में यूक्रेनी सैनिकों को इंटरनेट कनेक्शन प्रदान कर रह है।

रोगोजिन बोले- मस्क को जवाबदेह ठहराया जाएगा

रोगोजिन ने आगे कहा, %एलन मस्क, इस तरह यूक्रेन में फासीवादी ताकतों को सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने में शामिल हैं। इसके लिए उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा, चाहे वह खुद को कितना भी मूर्ख दिखाने की कोशिश क्यों न करें। मस्क ने रोगोजिन के बयान को शेयर करते हुए लिखा, %नाजी शब्द का मतलब यह नहीं है कि वह जो सोचता है वह करता है।% फरवरी में रूसी सैनिकों ने यूक्रेन में इंटरनेट सुविधा को तबाह कर दिया था। इसके बाद से ही मस्क की कंपनी स्पेसएक्स यूक्रेन में इंटरनेट सुविधा प्रदान कर रही है और सैनिकों की मदद कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि टेस्ला के सीईओ को युद्ध के बीच यूक्रेन की मदद करने के लिए रूस से धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

इंडिगो ने दिव्यांग बच्चे को फ्लाइट में चढ़ने से रोका

एयरलाइन पर भड़के ज्योतिरादित्य सिंधिया, बोले- ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली

इंडिगो एयरलाइंस की ओर से दिव्यांग बच्चे को विमान में चढ़ने से रोकने का मामला केंद्र तक पहुंच गया है। सोमवार को इसे लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री ने ट्विटर पर लिखा, ऐसे रवैये के लिए जीरो टॉलरेंस है। किसी भी इंसान को इससे नहीं गुजरना चाहिए! मामले की खुद जांच कर रहा हूं, जिसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। नागर विमानन महानिदेशालय ने भी इंडिगो से रिपोर्ट मांगी है। सोशल मीडिया पर शेयर होने के बाद इस मामले में कार्रवाई की गई है।

क्या है मामला:- दरअसल, एक दिव्यांग लड़का शनिवार को अपने माता-पिता के साथ रांची एयरपोर्ट पहुंचा। इस दौरान उसे इंडिगो की रांची-हैदराबाद उड़ान में चढ़ने से रोक दिया गया, जिसके बाद उसके माता-पिता ने भी विमान की यात्रा नहीं करने का फैसला किया।

एयरलाइन का बयान

इस मामले पर इंडिगो ने कहा कि 7 मई को एक विकलांग बच्चा अपने परिवार के साथ फ्लाइट में नहीं चढ़ सका, क्योंकि वह डरा हुआ था। ग्राउंड स्टाफ ने आखिरी मिनट तक उसके शांत होने का इंतजार किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए, बच्चे को फ्लाइट में नहीं बैठाया गया। इसके बाद एयरलाइन की ओर से परिवार को होटल में ठहरने की सुविधा दी गई और उन्होंने अगली सुबह हैदराबाद के लिए उड़ान भरी।

साथी यात्री ने सोशल मीडिया पर शेयर की पूरी घटना

मनीषा गुप्ता नाम की एक यात्री ने सोशल मीडिया पर इस घटना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर एक दिव्यांग बच्चा फ्लाइट में चढ़ने से डर रहा था। उसके माता-पिता उसे शांत करने में लगे थे। इस बीच इंडिगो कर्मियों ने बच्चे को विमान में चढ़ाने से मना कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि इससे अन्य यात्रियों को खतरा है। गुप्ता ने बताया कि दूसरे यात्रियों ने इसका विरोध किया। उन्होंने ष्ट के फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि कोई भी एयरलाइन दिव्यांग यात्रियों के खिलाफ भेदभाव नहीं कर सकती। प्लेन में डॉक्टरों का भी ग्रुप था, जिसने बीच रास्ते में बच्चे को कोई दिक्कत होने पर मदद की पेशकश की।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

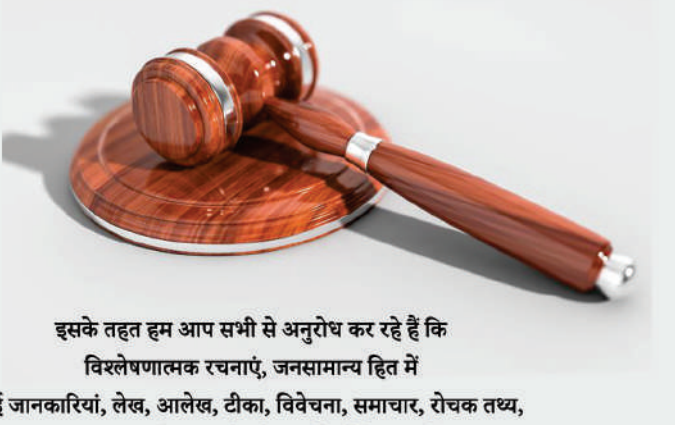

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

मैक्स वेरस्टाप्पन ने मियामी ग्रां प्री फार्मूला वन रेस जीती

मियामी गार्डन्स (अमरीका)। मैक्स वेरस्टाप्पन ने क्वालीफाईंग में की गई गलती से उबरकर यहां मियामी ग्रां प्री फार्मूला वन रेस का खिताब जीता। रेडबुल के ड्राइवर वेरस्टाप्पन क्वालीफाईंग की गलती के कारण आगे की कतार से शुरुआत नहीं कर पाए लेकिन मौजूदा विश्व चैंपियन ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और चैंपियनशिप में अभी शीर्ष चल रहे फेरारी के चार्ल्स लेकरेक को पीछे छोड़कर रेस जीती। फेरारी के कार्लोस सेंज तीसरे, रेडबुल के सर्जियो पेरेज चौथे और मर्सीडीज के जार्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहे। वेरस्टाप्पन की यह इस सत्र की पांच रेस में तीसरी जीत है। अपने करियर की 23वीं जीत से वह अब लेकरेक से केवल 19 अंक पीछे रह गये हैं।

तेपे सिगेमन इंटरनेशनल शतरंज

अर्जुन नें टॉप सीड जॉर्डन से जीती बाजी ड्रॉ खेली

मालमो ,स्वीडन। तेपे सिगमन इंटरनेशनल शतरंज मे पहली बार खेल रहे भारत के युवा ग्रांड मास्टर 18 वर्षीय अर्जुन एरिगासी को प्रतियोगिता में छठी वरीयता दी गयी है और अब तक के अपने प्रदर्शन से 5 राउंड के बाद 2 जीत , 2 ड्रॉ और 1 हार से 3 अंक बनाकर वह दूसरे स्थान पर चल रहे है । पांचवें राउंड में अर्जुन काले मोहरो से टॉप सीड नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट से मुक़ाबला खेल रहे थे और बिशप ओपनिंग में उन्होने शुरुआत से ही खेल का संतुलन बनाए रखा था और मोहरो की अदला बदली के बीच बाजी लगभग ड्रॉ होने को थी प र्तभी खेल की 47वीं चाल में जॉर्डन की घोड़े की गलत चाल के चलते उनके पास जीतने का एक बेहतरीन मौका था जो वह भुनाने में वह कामयाब नहीं रहे और मैच 50 चालों के बाद ड्रॉ पर खत्म हुआ । प्रतियोगिता में यूएसए के नीमन हंस का शानदार खेल पांचवें राउंड में भी जारी रहा और उन्होने स्पेन के अलेक्सी शिरोव को मात देते हुए 4 अंक बनाकर एकल बढ़त बनाए रखी है । 8 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर हो रही 7 राउंड की इस प्रतियोगिता में अर्जुन अंतिम दो राउंड में चेक गणराज्य के डेविड नवारा और इंग्लैंड के माइकल एडम्स से मुक़ाबला खेलेंगे । अन्य खिलाड़ियों में स्वीडन के निल्स ग्रंडेलीयूस 3 अंक , नीदरलैंड के जॉर्डन और इंग्लैंड के एडम्स 2.5 अंक , चेक गणराज्य के नवारा 2 अंक , यूएई के सलेम सालेह और स्पेन के शिरोव 1.5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

मैं खुद को रिटायर्ड आउट करने के बारे में सोच रहा था: डुप्लेसी

नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी ने कहा है कि सनराइज़र्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ मैच के दौरान वह पारी का अंत आते-आते थक गए थे और ख़ुद को रिटायर्ड आउट करने का सोच रहे थे ताकि दिनेश कार्तिक मैदान पर आ सकें। हालांकि 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर उनके साथी ग्लेन मैक्सवेल ही आउट हो गए और इसके बाद दिनेश कार्तिक ने आकर आठ गेंदों में 30 रन की पारी खेली। इससे बेंगलुरु 192 के एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच गया।

डुप्लेसी ने कहा, अगर कार्तिक इसी तरह से छक्के लगाते रहे, तो कोई भी दूसरे छोर से उनको बल्लेबाज़ी करते देखना चाहेगा। वह अपनी भूमिका को लेकर बहुत ही स्पष्ट हैं। मैं बीच में कोशिश भी कर रहा था कि मैं आउट हो जाऊं ताकि कार्तिक बल्लेबाज़ी के लिए आ सके। मैं बहुत थक भी गया था और जब वह बल्लेबाज़ी करने आएं तो मैंने उन्हें बताया कि मैं रिटायर्ड आउट होने की सोच रहा था। डुप्लेसी ने इस पारी में 50 गेंदों पर 73 रन बनाए।

हर्षा भोगले ने उनसे दो बार पूछा कि क्या वह रिटायर्ड आउट होने की सोच रहे थे? डुप्लेसी ने कहा, हां रिटायर्ड आउट, लेकिन तभी हमने विकेट खो दिया। हालांकि एक दूसरी सोच यह भी थी कि इस पिच पर बल्लेबाज़ी करना आसान नहीं है और शॉट खेलने से पहले बल्लेबाज़ों को कुछ गेंद समझना पड़ रहा था। इसलिए मैं सोच रहा था कि अगर कार्तिक आएंगे तो उन्हें भी हाथ खोलने से पहले कुछ गेंद लगेगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ और उन्होंने पहली गेंद से ही शॉट खेलें। उनका एक कैच भी छूटा, जिसका हमें फ़ायदा मिला। पिछले महीने लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग रिटायर्ड आउट हुए थे ताकि अंतिम कुछ गेंदों पर रियान पराग आकर खुल के शॉट खेल सकें। ऐसा आईपीएल में पहली बार हुआ था। डुप्लेसी ने अपने भारतीय युवा बल्लेबाज़ों सुयश प्रभुदेसाई, रजत पाटीदार और महिपाल लोमरोर की तारीफ़ की और कहा कि वे भाग्यशाली हैं कि उन्हें टीम संतुलन को बिठाने के लिए कुछ युवा प्रतिभाशाली भारतीय बल्लेबाज़ मिले हैं।

पांच विकेट लेने वाले वनिंदु हसरंगा के बारे में उन्होंने कहा, मैं वानी (हसरंगा) के लिए बहुत खुश हूं। वह किसी ऐसे मैच की तलाश कर रहे थे, जब वह पूरी बल्लेबाज़ी को तहस-नहस कर दें। अच्छा लगा कि ऐसा मैच आ ही गया। वह ना आपको केवल महत्वपूर्ण चार ओवर देते हैं बल्कि पारी के अंत में आकर कुछ महत्वपूर्ण रन भी बना सकते हैं।

दिनेश कार्तिक ने आठ गेंदों में 30 रन की पारी खेली। इससे बेंगलुरु 192 के एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा

विराट के करियर का सबसे बुरा दौर

आईपीएल में 10 साल में कोहली का औसत सबसे खराब, रन मशीन से बने डक मशीन

नई दिल्ली

विराट का औसत पिछले 10 सालों में आईपीएल में पहली बार 20 के नीचे गया है। उनका बल्ला है कि बोलने का नाम ही नहीं ले रहा। फैंस के चहेते किंग कोहली इस सीजन सिर्फ 19.6 की एवरेज से खेल रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया मुकाबला पहली गेंद पर बड़े विकेट के साथ शुरू हुआ। स्पिनर जे सुचित की गेंद पर विराट कोहली बगैर खाता खोले आउट हो गए। सीजन में तीसरी बार ऐसा हुआ, जब विराट बगैर कोई रन बनाए पवेलियन की ओर चलते बने। इसी के साथ करोड़ों फैंस का दिल टूट गया। कई घर में टीवी बंद हो गए और लोग गम भुलाने की खातिर दुनियादारी में उलझ गए। जिस विराट कोहली के नाम से एक वक्त दुनिया के तमाम गेंदबाज सिहर उठते थे, आज वह अपने करियर के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। आईपीएल 15 में वह 3 बार गोल्डन डक का शिकार हो चुके हैं, यानी कि पहली ही गेंद पर आउट हो गए हैं। 3 साल बीत चुके लेकिन विराट के बल्ले से शतक नहीं निकला। ऐसा नहीं है कि इससे विराट की आक्रामकता कोई कम हुई है। ष्टस्थ्य के खिलाफ हुए मुकाबले में जब धोनी का

2013 रन - 634 एवरेज - 45.3	2014 रन - 359 एवरेज - 27.6	2015 रन - 505 एवरेज - 45.9	2016 रन - 973 एवरेज - 81.1
2017 रन - 308 एवरेज - 30.8			2018 रन - 530 एवरेज - 48.2
2019 रन - 464 एवरेज - 33.1	2020 रन - 466 एवरेज - 42.4	2021 रन - 405 एवरेज - 28.9	2022 रन - 216 एवरेज - 19.6

विकेट गिरा, तो कोहली का एग्रेसिव रिएक्शन सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

विराट के शॉट्स में पहले जैसा कॉन्फिडेंस नहीं

विराट के शॉट में पहले की तरह कॉन्फिडेंस नजर नहीं आता। कभी उनके बल्ले से निकला फ्लिक शॉट चौके की गारंटी होता था, अब वह आसान से कैच में तब्दील हो जाता है। आज भी विराट साथी खिलाड़ियों के साथ मिलकर उसी अंदाज में जश्न मनाते हैं, जैसे पहले किया करते थे। जब दिनेश कार्तिक किसी मुकाबले को फिनिश करते हैं, तो विराट उसका पूरा लुत्फ उठाते हैं। बल्लेबाजी में वह जज्बा कहां गायब हो जाता है, यह फैंस को समझ नहीं आ रहा। अब तो ऐसा लगता है कि दुनिया का कोई भी गेंदबाज विराट के सामने आएगा तो निश्चित ही उनका विकेट लेकर जाएगा।

बैटिंग कोच बांगर हालात संभालने में जुटे

इंडियन टीम के बैटिंग कोच के रूप में अपनी सेवा दे चुके संजय बांगर सिचुएशन को हैंडल करने का प्रयास कर रहे हैं। विराट जब पहली गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौटे तो किसी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। थोड़ी देर बाद नजर आया कि बेंगलुरू के बैटिंग कोच संजय विराट के साथ माहौल को हल्का करने का प्रयास कर रहे हैं। दोनों साथ मिलकर मुस्कुरा रहे थे, ताकि विराट पर इस नाकामी का अधिक मानसिक दबाव ना पड़े। बांगर जानते हैं कि किंग कोहली आज भी टीम के सबसे बड़े मैच विनर हैं और अगर बेंगलुरू को अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतनी है, तो विराट का बड़ा स्कोर करना हर हाल में जरूरी होगा। दुनिया जानती है कि विराट में टेलेंट की कोई कमी नहीं है। समस्या प्रतिभा को मुकाबले के दौरान इस्तेमाल करने में आ रही है। बेंगलुरु का कोचिंग स्टाफ जितनी जल्दी विराट की समस्या पर काम करेगा, टीम को आगे के मुकाबलों में उतना ज्यादा लाभ मिलेगा।

सनराइजर्स के सामने दोनों मुकाबलों में पहली बार 0 पर आउट हुए कोहली:- इसके पहले भी विराट सनराइजर्स के खिलाफ ही बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। लखनऊ सुपर जायंट्स के सामने भी विराट के बल्ले से कोई रन नहीं निकल सका था। सीजन में स्क्रा॥ के सामने लगातार दूसरी बार 0 पर आउट होने के बाद विराट काफी निराश नजर आए। प्रैक्टिस सेशन में पसीना बहाने वाले विराट मैच में अजीबोगरीब शॉट खेलकर विकेट गंवा रहे हैं।

40 साल के माही ने दिल्ली के खिलाफ दिखाया दम

» 262 के स्ट्राइक रेट से बनाए 21 रन, 18वें ओवर में आए और छा गए धोनी

नई दिल्ली

महेंद्र सिंह धोनी को यूं ही दुनिया का सबसे बड़ा फिनिशर नहीं कहा जाता है। जिनको 40 साल के माही की बैटिंग पर थोड़ा भी संदेह था, वह दिल्ली के खिलाफ पूरी तरह दूर हो गया। अपनी पहली ही गेंद पर धमाकेदार छक्का जड़कर धोनी ने साबित कर दिया की आज भी स्लॉग ओवर में गेंदबाज को उनसे बेहतर कोई नहीं पढ़ता है। जरूरी नहीं है कि अगली गेंद को भी हवा में खेला जाए। दूसरी गेंद को माही ने 2 फील्डर के बीच से प्लेस किया और चौका बटोर लिया। अब तक स्टेडियम में मौजूद जनता समझ चुकी थी कि धोनी टीम को 200 रनों का आंकड़ा पार कराने के इरादे के साथ मैदान में उतरे हैं। धोनी-धोनी के शोर से पूरा स्टेडियम गूंज उठा। बड़े स्कोर के दबाव में दिल्ली बिखर गई और 91 रन से मुकाबला गंवा बैठी।

मिचेल मार्श के खिलाफ बल्ले से बरपाया कहर:- आईपीएल 2022 के 55वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। चेन्नई ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 208 रन बनाए। महेंद्र सिंह धोनी के दोबारा कप्तान बनने के बाद चेन्नई की टीम ने तीन मैच में दूसरी बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। इस दौरान धोनी ने धमाकेदार पारी खेली। 18वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे धोनी ने छक्के से अपना खाता खोला। उन्होंने मिचेल मार्श की गेंद पर बाहर निकलकर लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का लगाया। इसके बाद अगली गेंद पर कट शॉट खेलकर उन्होंने चौका जड़ा। 19वें ओवर में धोनी ने आखिरी गेंद पर खलील अहमद को छक्का लगाया। अंतिम दो ओवर में उन्हें सिर्फ 4 गेंद खेलने को मिलीं।

टीम इंडिया के लिए जल्द खेलेंगे उमरान:इयान चैपल बोले -

भारत के चयनकर्ता नहीं कर पाएंगे अनदेखी

नई दिल्ली

मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर इयान चैपल ने स्पीड स्टार उमरान मलिक को लेकर बड़ा बयान दिया है। चैपल का कहना है कि इंडियन टीम मैनेजमेंट ने बीते कुछ वर्षों में जरूर तेज गेंदबाजों का पूल तैयार किया है, लेकिन आने वाले समय में उमरान मलिक की पेस की अनदेखी कर पाना उनके लिए काफी मुश्किल होगा। चैपल की बात को विश्व क्रिकेट में बेहद सम्मान दिया जाता है। क्रिकइन्फो से ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान कहते हैं कि ढ्ढक्क की बदौलत इंडियन क्रिकेट में कई बेहद शानदार तेज गेंदबाज निकल कर आए हैं और यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। चैपल मानते हैं कि ढ्ढक्कदेखने वालों की जुबान पर अभी सिर्फ उमरान का नाम है। चैपल मानते हैं कि एक ऐसी दुनिया जहां तेज गेंदबाजों को सिर-आंखों पर बिठाया जाता है, टीम इंडिया उस रेस में आगे बढ़ती नजर आ रही है। इस वक्त इंडिया विश्व क्रिकेट में बड़ी ताकत है। अगर वह यूं ही संकल्पशक्ति के साथ खेलती रही, तो आने वाले वक्त में लीडिंग टीम बनी रहेगी। चैपल का मत है कि टीम इंडिया का तेज गेंदबाजों का भंडार दूसरी टीमों के जलन की वजह बन सकता है। इयान चैपल जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जैसे फास्ट बॉलर्स को टीम इंडिया के ओवरसीज में बढ़ते रुतबे का क्रेडिट देते हैं। साथ ही वह इस उपलब्धि के लिए ईशांत शर्मा, उमेश यादव और शार्दूल ठाकुर की भूमिका को भी सराहते हैं। चैपल ने 1969 में भारत का दौरा किया था। वह मानते हैं कि अब दौर गया, जब कुछ भारतीय खिलाड़ी मुश्किल परिस्थिति में हथियार डाल देते थे और नॉन प्लेइंग प्लेयर बन जाते थे।

धोनी ने दिया कॉन्वे को सफलता का गुरुमंत्र

नई दिल्ली

रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ मैच में डेवन कॉन्वे और ऋतुराज गायकवाड़ ने लगातार तीसरी अर्धशतकीय साझेदारी की, जहां गायकवाड़ तेज़ गेंदबाज़ों को निशाना बना रहे थे, वहीं कॉन्वे ने स्पिनरों को निशाना बनाया। अपनी 87 रन की पारी के दौरान कॉन्वे ने 54 रन सिर्फ़ स्पिन गेंदबाज़ी पर बनाए। अक्षर पटेल का जहां उन्होंने दो छक्कों से स्वागत किया, वहीं कुलदीप के पहले ओवर में भी उन्होंने दो छक्के और एक चौका लगाया। कॉन्वे का स्पिन के ख़िलाफ़ रिकॉर्ड बड़ा ही ज़बरदस्त है। 2018 से उन्होंने स्पिन के ख़िलाफ़ 77.78 के औसत और 141.61 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वह स्पिन के विरुद्ध ना सिर्फ़ स्वीप या रिवर्स स्वीप खेलते हैं, बल्कि उन पर आगे निकलकर सामने शॉट लगाते हैं।

दिल्ली के ख़िलाफ़ मैच में वह चार बार क्रीज़ से बाहर निकले और चारों बार गेंद को छक्के के लिए भेज दिया। मैच के बाद कॉन्वे ने बताया कि उन्हें इस विधा में

मास्टरी हासिल नहीं थी लेकिन एमएस धोनी ने उनको इस शॉट को खेलने के लिए विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा, मुझे इसके लिए धोनी को क्रेडिट देना होगा। पिछले मैच में मैंने खूब स्वीप शॉट खेले और अंत में एक स्वीप खेलकर ही आउट हुए। तब उन्होंने मेरे पास आकर कहा था, %अगले मैच में तुमको खूब फुल गेंदें मिलने जा रही हैं। तो हो सके तुम कुछ गेंदों पर बाहर निकलना और उनको सामने मारने की कोशिश करना।% मैंने मैच के दौरान वही किया। इस मैच के पहले तक कॉन्वे टी20 क्रिकेट में 1049 गेंदों में सिर्फ़ 31 बार ही क्रीज़ से बाहर निकले थे। इस दौरान वह चार बार आउट भी हुए थे। वह अन्य शॉट की तुलना में स्वीप शॉट तीन गुना अधिक खेलते हैं और उस पर 155.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। लेकिन इस मैच में उन्होंने अपनी योजना बदली और धोनी के कहे अनुसार आगे बढ़कर सामने शॉट खेला। अब देखना यह होगा कि धोनी अगले मैच के लिए उनको क्या सलाह देते हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

ओयो ने यूरोपीय कंपनी डायरेक्ट बुकर का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली। यात्रा एवं आतिथ्य प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने सोमवार को कहा कि उसने यूरोप की कंपनी 'डायरेक्ट बुकर' का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। यह सौदा करीब 55 लाख करोड़ डॉलर (40 करोड़ रुपये) में पूरा हुआ है। ओयो ने एक बयान में कहा कि डायरेक्ट बुकर के पास 3,200 से अधिक घर हैं और अब तक तक 20 लाख ग्राहक उसकी सेवाओं का लाभ उठा चुके हैं। उसने कहा कि इस अधिग्रहण से ओयो की यूरोप में व्यापक मौजूदगी हो जाएगी। ओयो के वैश्विक प्रमुख व्यापार अधिकारी अंकित टंडन ने कहा कि हमारा ध्यान यूरोप में पैठ बनाने पर है।

कैंपस एक्टिववियर का शेयर 23 फीसदी की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। खेलकूद के जूते बनाने वाली कंपनी कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड की सोमवार को बाजार में अच्छी शुरुआत रही बीएसई पर कंपनी का शेयर 21.57 की बढ़त के साथ 355 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ और फिर 26 फीसदी बढ़त के साथ 368 रुपये पर आ गया। एनएसई पर शेयर 360 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य की तुलना में 23.28 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कैंपस एक्टिववियर के आईपीओ को पिछले महीने 51.75 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 278 से 292 रुपये प्रति शेयर रखा था।

अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने 25 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने सोमवार को बताया कि स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) और बारक्लेज बैंक पीएलसी के संघ से उसने तीन साल की बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) सुविधा के जरिए 25 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इस सुविधा के तहत एएएचएल अतिरिक्त 20 करोड़ डॉलर की राशि जुटा सकती है। वित्त जुटाने की यह कवायद एएएचएल की पूंजी प्रबंधन योजना की दिशा में पहला कदम है। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की कंपनी एएएचएल देशभर में महत्वपूर्ण हवाईअड्डों के विकास एवं प्रबंधन का काम देखती है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, ''एएएचएल के वित्तपोषण के साथ पूंजी प्रबंधन योजना का पहला चरण शुरू हो गया है और अब हम अपने विमानन कारोबार को दुनियाभर के सबसे बड़े हवाईअड्डा मंचों में से एक बनाने पर ध्यान देंगे।''

हरियाणा में बिजली को जूझते उद्योग

नई दिल्ली

चढ़ते पारे के साथ हरियाणा में घंटों बिजली कटौती होने लगी है, जिससे उद्योग-धंधे भी प्रभावित हो रहे हैं। आम दिनों में मानेसर के औद्योगिक मॉडल टाउनशिप में लेबर चौक पर दिहाड़ी मजदूरों की भीड़ लगी रहती थी लेकिन इन दिनों चौक सूना नजर आता है क्योंकि काम ही नहीं है। कुछ साथियों के साथ काम की तलाश में आए दिहाड़ी मजदूर वीर दास ने कहा, %दिहाड़ी मजदूरों के लिए काम ही नहीं है। बिजली कटौती के कारण कारखानों और निर्माण स्थलों पर काम की पाली घटा दी गइ हैं और लोगों को अपना रोजगार गंवाना पड़ रहा है।% दास ने कहा, %हम रातों को सो नहीं पाते क्योंकि पेट खाली होता है और बिजली भी नहीं आती कि गर्मी से राहत मिल जाए। इस कारण लोग बीमार भी हो रहे हैं। देश के कई हिस्सों में बिजली संकट गहरा रहा है और हरियाणा के औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 800 इकाइयों पर

इसकी बड़ी मार पड़ी है। बिजली कटौती के कारण जेनरेटर का इस्तेमाल करने से इन इकाइयों की उत्पादन लागत करीब 30 फीसदी बढ़ गई है। एक उद्यमी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, %हर दिन सात से आठ घंटे बिजली कटौती के कारण हमें डीजल वाले जेनरेटरों के भरोसे काम करना पड़ रहा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ गई है और एमएसएमई के लिए बोझ उठाना मुश्किल हो गया है।% उन्होंने कहा कि हर साल 3 से 4 घंटे बिजली कटौती होती थी, लेकिन इस बार लंबे समय तक बत्ती गुल रहने से उत्पादन लागत 25 से 30 फीसदी तक बढ़ गई है। बिजली संकट ऐसे समय में आया है, जब उद्योग रूस-यूक्रेन युद्ध और महामारी के कारण पहले ही मुश्किल में हैं। राज्य के उद्योगों का उत्पादन 14 से 25 फीसदी घट गया है और उद्योगों ने राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। आईएमटी मानेसर के सेक्टर-4 में आइसक्रीम कप बनाने वाले उद्यमी रिदम सिंह ने कहा, सरकार ने उद्यमियों की स्थिति में सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। हम जेनरेटर इस्तेमाल करें तो हमारी लागत कप की कीमत से भी ज्यादा हो जाएगी। उन्होंने कहा, इस समय हमारा उत्पादन चरम पर होता है मगर बिजली संकट के कारण इस बार मामला बिगड़ गया है और अप्रैल में 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। छोटी औद्योगिक इकाइयों पर ज्यादा मार पड़ी है। लगातार बिजली कटौती के कारण कई इकाइयां बंद करने की नौबत आ गई है। भारतीय उद्योग संघ के महासचिव दीपक जैन ने कहा, %मशीनें चलाकर नुकसान बढ़ाने के बजाय हम उन्हें बंद रखने के बेहतर आर्थिक विकल्प तलाश रहे हैं।% उन्होंने कहा कि बिजली खरीद की लागत 2 रुपये प्रति यूनिट है, लेकिन उद्योग को 10 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली दी जाती है। अगर रात की पाली में बिजली नहीं आएगी तो हम मांग पूरी कैसे करेंगे? हालांकि जिन इकाइयों के पास पावर बैकअप की सुविधा है उन्हें काम बंद नहीं करना पड़ रहा है मगर उनकी श्रम लागत बढ़ गई है। मारुति सुजूकी के एक वरिष्ठ प्रबंधक ने कहा, %मारुति के पास काम के लिए बिजली का समुचित बैकअप है मगर हमारी लागत भी बढ़ रही है। रियल एस्टेट क्षेत्र को भी बिजल किल्लत से जूझना पड़ रहा है, जिससे निर्माण लागत बढ़ गई है। गुरुग्राम के एक प्रतिष्ठित बिल्डर ने कहा, निर्माण कार्य बंद नहीं हुआ है क्योंकि सभी बिल्डरों के पास जेनरेटर हैं।

गेहूं की फसल पर मौसम की मार

पंजाब में एडवांस गर्मी से 33.28 लाख मीट्रिक टन उत्पादन घटा

7200 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली

मौसम की मार इस बार गेहूं की फसल पर पड़ी है। एडवांस में गर्मी पड़ने के कारण दाना सिकुड़ने से प्रति एकड़ झाड़ में कम से कम पांच क्विंटल का अंतर आया है। पिछले साल 133.28 लाख मीट्रिक से ज्यादा गेहूं का भंडारण करने वाले पंजाब की मंडियों में अब सीजन की समाप्ति की तरफ है और अभी तक भंडारण सिर्फ 101 लाख मीट्रिक टन के करीब ही हो पाया है। पिछले साल की अपेक्षा यह 32.28 लाख मीट्रिक टन के करीब कम है। इस बार मौसम की मार के कारण गेहूं का उत्पादन कम हुआ है।

मंडियों में गेहूं की आवक कम होने और खरीददारी गिरने के कारण इस सीजन में 7200 करोड़ रुपए का वित्तीय नुकसान होने की आशंका है। इस घाटे का असर मंडियों में निचले स्तर से लेकर ऊपरी स्तर तक सभी पर पड़ा है। घाटे के कारण किसान, मजदूर, आढ़ती, मंडी बोर्ड से लेकर ट्रांसपोर्टर सभी प्रभावित हुए हैं। सभी की कमाई इस बार घटी है।

7200 करोड़ रुपए का नुकसान

एक क्विंटल गेहूं के किसान को 2,015 रुपए, पंजाब मंडी बोर्ड को 121 रुपए, एक आढ़ती को 45.83 रुपए, एक मजदूर को 24.58 रुपए और एक ट्रांसपोर्टर को 27.81 रुपए भंडारण के लिए मिलते हैं। मंडी बोर्ड के अधिकरियों के अनुसार इस बार मंडियों में गेहूं की कमी के कारण करीब 7200 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

पांच क्विंटल की गिरावट

राज्य के कृषि विभाग द्वारा हाल ही में किए गए फसल कटाई आंकड़ों के अनुसार, गेहूं की उपज में प्रति हेक्टेयर औसतन पांच क्विंटल की गिरावट आई है। राज्य में पिछले साल 48.68 क्विंटल प्रति हेक्टेयर गेहूं की पैदावार हुई थी। पिछले साल पंजाब का कुल गेहूं उत्पादन लगभग 171 लाख टन था। इस वजह से जो 132 लाख टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा गया था वह भी काफी पीछे छूट गया है।

गेहूं की खेती का रकबा भी 2021 के मुकाबले कम रहा

इस साल गेहूं की खेती का रकबा भी 2021 के मुकाबले कम रहा है। पिछले साल गेहूं का रकबा 35.14 लाख हेक्टेयर था जो इस साल 35.02 लाख हेक्टेयर रहा। 2008 के बाद यह दूसरा मौका है जब गेहूं की पैदावार में इतनी बड़ी गिरावट दिखाई पड़ रही है। साल 2008 में बड़ी गिरावट के कारण तत्कालीन केंद्र सरकार ने प्राइवेट खरीद पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी थी लेकिन बाद में बड़ी कंपनियों के दबाव में केंद्र सरकार ने केवल 25 हजार टन गेहूं खरीदने की इजाजत दी थी। मंडियों में गेंहूं कम पहुंचने के पीछे एक कारण यह भी माना जा रहा है कि बहुत सारे किसानों ने इस बार अपनी फसल मंडियों में बेचने के बजाय उसका भंडारण अपने स्तर पर किया है। किसानों का मानना है कि वह ऑफ सीजन में भंडारण की गई गेंहूं को फिर निजी कंपनियों को महंगे दामों पर बेचेंगे।

अन्य क्षेत्रों के लिए इनविट

नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और पावरग्रिड के बुनियादी ढांचा निवेश न्यास (इनविट) की सफलता के बाद केंद्र सरकार 6 लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन के तहत रेलवे, जहाजरानी, गैस पाइपलाइन और अन्य क्षेत्रों के लिए भी इनविट लाने की तैयारी कर रही है। बिज़नेस स्टैंडर्ड को पता चला है कि वित्त मंत्रालय बुनियादी ढांचे से जुड़े विभागों को इनविट लाने के लिए कह रहा है और रेलवे एवं जहाजरानी मंत्रालयों तथा गेल लिमिटेड में इनविट के परीक्षण हो रहे हैं। केंद्र चालू वित्त वर्ष में कुछ खास क्षेत्रों के और भी इनविट लाने की योजना बना रहा है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, %सड़क और बिजली के बाद अगला कदम यह देखना है कि अन्य क्षेत्रों में किन सरकारी परिसपत्तियों का इनविट के जरिये मुद्रीकरण किया जा सकता है। यह बड़े संस्थागत निवेशकों से धन जुटाने का आकर्षक रास्ता है। रेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, %हमारे लिए परिसंपत्ति मुद्रीकरण अत्यंत शुरुआती अवस्था में है, इसलिए हम नए सिरे से अपने मुद्रीकरण के तरीके बनाने की कोशिश कर रहे हैं और वास्तव में हम इनविट को भी विकल्प के तौर पर देख रहे हैं। शीर्ष स्तर से हमें साफ तौर पर मुद्रीकरण के लिए कहा जा रहा है।% जहाजरानी और अन्य मंत्रालयों में इनविट पर काम किया जा रहा है। इनविट म्युचुअल फंड की तरह सामूहिक निवेश योजना है। इसमें व्यक्तिगत या संस्थागत निवेशक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सीधे निवेश कर सकते हैं और उसका प्रतिफल उनकी आमदनी का एक हिस्सा बन सकता है। बहुत से निजी क्षेत्र के इनविट बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध हैं। सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियां दो इनविट- नैशनल हाइवे इन्फ्रा ट्रस्ट और पावरग्रिड इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ला चुकी हैं।

जांच से छूट चाहे गियर विनिर्माता

नई दिल्ली

दूरसंचार उपकरण विनिर्माता और मोबाइल ऑपरेटर नए नियमों के तहत सभी प्रमुख नेटवर्क उपकरणों के अनिवार्य जांच एवं प्रमाणन से छूट पर जोर दे रहे हैं। नए नियमों के तहत इसे 1 जुलाई से लागू किया जाना है। उन्होंने सरकार से कहा है कि इन अवश्यकताओं के कारण मौजूदा 4जी नेटवर्क एवं आगामी 5जी नेटवर्क के निर्माण के लिए आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हो सकता है। ऐसे में इस साल के अंत तक शुरू होने वाली 5जी सेवाओं में कहीं अधिक देरी हो सकती है। दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं की मांग है कि पिछले महीने के आखिर में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय द्वारा मोबाइल फोन, स्मार्ट घडियों, सर्वर, स्मार्ट कैमरों और पीओएस मशीनों को इन नियमों से दी गई छूट का विस्तार उन तक भी किया जाना चाहिए। कुछ विनिर्माताओं का कहना है कि इन नियमों के बारे में अंतिम निर्णय लंबित होने के मद्देनजर अंतिम समय-सीमा में छह महीने का विस्तार दिया जाना चाहिए ताकि कंपनियां उपकरणों की खरीद कर सकें और उन्हें आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से न जूझना पड़े। दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के संगठन टेमा का मानना है कि अनिवार्य जांच से नियमों की प्रासंगिकता खो जाएगी और इसलिए दूरसंचार गियर विनिर्माताओं पर उसे लागू नहीं किया जाना चाहिए। टेमा के चेयरमैन एनके गोयल ने कहा, %सरकार पुराने नियमों को हटाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें लगता है कि अब यह देखने का समय आ गया है कि क्या अनिवार्य जांच एवं प्रमाणन ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है और उसे हटा दिया जाना चाहिए, खासकर विश्वसनीय उत्पाद नीति की घोषणा के बाद जो दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा खरीदे गए सभी दूरसंचार उत्पादों को कवर करती है। यदि कोई वस्तु इससे छूट जाती है तो उसे भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के दायरे में लाया जा सकता है।

देश में यूनिकॉर्न की रफ्तार हुई धीमी

नई दिल्ली

देश की स्टार्टअप ने हाल ही में 100वीं यूनिकॉर्न (एक अरब से अधिक मूल्यांकन वाली स्टार्टअप) ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। किसी बड़े फंड की घोषणा न होने के बावजूद एक महीने के बाद ऐसा हुआ है। अगर इसकी तुलना 2021 से करें तो उन दिनों हर महीने तीन से चार स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन रही थीं। 11 साल पहले 2011 में पहली यूनिकॉर्न स्टार्टअप की घोषणा हुई थी, ऐसे में निश्चित रूप से 100 वें स्टार्टअप का जश्न मनाया ही जाना चाहिए। लेकिन अब यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या 2021 में यूनिकॉर्न की रफ्तार धीमी रही? सलाहकार कंपनी प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस की इकाई पीजीए लैब्स के अनुसार, भारत में इस साल 45 अतिरिक्त यूनिकॉर्न दिखाई देंगी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही में कुछ ही सूनिकॉर्न फंड जुटाने में कामयाब रही हैं जो दरअसल प्रौद्योगिकी और वित्तीय तकनीक कंपनियां होती हैं जिनके यूनिकॉर्न बनने की संभावना होगी। वेंचर

इंटेलिजेंस के आंकड़ों के मुताबिक, केवल तीन सूनिकॉर्न ने फंड जुटाया है जिनमें परफियोस सॉफ्टवेयर, रुपीक और इंडमनी शामिल है। आयरन पिलर फंड्स के एक हाल के सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 2025 तक 250 यूनिकॉर्न हो सकती हैं। हालांकि 250 यूनिकॉर्न का लक्ष्य अब भी हासिल किया जा सकता है, कई वेंचर कैपिटलिस्ट खिलाड़ी कह रहे हैं कि 2022 में इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है। आयरन पिलर फंड के प्रबंध साझेदार आनंद प्रसन्ना ने कहा, %वैश्विक स्तर के व्यापक जोखिमों के कारण नकदी की स्थिति प्रभावित होगी जिसके कारण साल की दूसरी छमाही की रफ्तार कम हो जाएगी। लेकिन हम अब भी 2021 की संख्या के करीब ही हैं।% उन्होंने कहा कि आगे ऐसी चुनौतियां हैं जो सूनिकॉर्न के यूनिकॉर्न बनने की यात्रा को प्रभावित कर सकती हैं। प्रसन्ना ने कहा, %ग्राहक अधिग्रहण की बढ़ती लागत, हाल में आईपीओ लाने वाले कुछ उपभोक्ता प्रौद्योगिकी यूनिकॉर्न के खराब प्रदर्शन की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सामान्य व्यापक चुनौतियां अधिक रहीं और ऐसे में इसकी वजह से इस साल यूनिकॉर्न बनने की रफ्तार प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी ब्याज दरों में वृद्धि, रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति में वृद्धि और अमेरिका के तकनीकी शेयरों की कीमतों में गिरावट जैसी कुछ वजहों से मंदी की स्थिति बनी। वेंचर कैपिटलिस्ट खिलाड़ियों का मानना है कि 2021 में जिस तरह जोश वाला निवेश देखा गया उसके बाद इस साल कुछ सावधानी दिख सकती है। निश्चित रूप से इसकी वजह से मूल्यांकन और करार पूरा होने की प्रक्रिया पर असर पड़ेगा। नॉरवेस्ट वेंचर्स पार्टनर इंडिया के प्रबंध निदेशक और प्रमुख निरेन शाह का मानना है कि यूनिकॉर्न बनने की रफ्तार पिछले साल की तरह ही होगी, हालांकि जिन क्षेत्रों से यूनिकॉर्न बनेंगी उनमें गतिशीलता बनी रहेगी। उन्होंने कहा, %इस वर्ष यूनिकॉर्न की संख्या में एक मजबूत शुरुआत नजर आई है लेकिन वैश्विक बाजार की स्थिति दूसरी छमाही में खराब रह सकती है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)